संकल्प परिवर्तन का

रायबरेली, बुधवार
15.05.2024
वर्षः 11
अंकः 242 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2012
RNI-UPHIN/2012/46348

नवसत्ता

16 वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

पीएम मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार किया नामांकन

कार्यक्रम में लगभग एक दर्जन मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय मंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी भी पहुंचे

संवाददाता

वाराणसी, 14 मई (नवसत्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए आज वाराणसी से तीसरी बार नामांकन किया। पुष्य नक्षत्र में उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, वहां उनसे अनुमति-आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। पीएम ने सोमवार को काशी विश्वनाथ व आज काल भैरव बाबा से भाजपा की प्रचंड जीत का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। काल-भैरव मंदिर में पूजन व कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी साथ रहे। आज गंगा सप्तमी के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने आज सुबह सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया।

काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में तीन पुजारी तमिलनाडु व एक-एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे। नमो घाट से प्रधानमंत्री सीधे काशी के कोतवाल काल भैरव बाबा के दर्शन-पूजन व आरती करने पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा से अनुमति व आशीर्वाद लिया, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां तीसरी बार काशी से तीसरी बार नामांकन किया। मंदिर गेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम को अंगवस्त्र भेंट किया और आमजन ने पुष्पवर्षा की। पूरा मंदिर व आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव की गूंज से गुंजायमान हो उठा। काल भैरव मंदिर में पूजन के दौरान पीएम के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर रहे।

मोदी के पास न घर, न कार, संपत्ति 3.02 करोड़ रुपए

वाराणसी – लगातार दो बार प्रधानमंत्री रहने और पिछले 10 साल में देश के चार करोड़ गरीबों को घर मुहैया कराने के बावजूद नरेंद्र मोदी के पास न तो अपना खुद का घर है और न ही उनके पास कोई गाड़ी है, उनके पास तीन करोड़ दो लाख रुपये की संपत्ति है। श्री मोदी ने मंगलवार को वाराणसी लोकसभा सीट से तीसरी बार नामांकन दाखिल कर दिया है। प्रधानमंत्री के चार स्थानीय लोग प्रस्तावक बने हैं। श्री मोदी की ओर से दाखिल किए गए हलफनामे में उन्होंने अपनी संपत्ति के बारे में भी जानकारी दी है। प्रधानमंत्री के अपने नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे में उनके पास 3.02 करोड़ रुपये से अधिक की चल और अचल संपत्ति है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक में दो करोड़ 89 लाख 45 हजार 598 रुपये की सावधि जमा शामिल है। इसके साथ ही उनके पास 52 हजार 920 रुपये नकद हैं, जिसमें से 28 हजार रुपये निकाले गए हैं। श्री मोदी के पास गांधीनगर में भारतीय स्टेट बैंक की एनएससी शाखा में 73 हजार 304 रुपये और वाराणसी में शिवाजी नगर शाखा में सात हजार रुपये जमा हैं। उन्होंने हलफनामे में कहा कि उनके पास राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र में नौ लाख 12 हजार 398 रुपये हैं। श्री मोदी के पास 45 ग्राम वजन की सोने की चार अंगूठियां हैं, जिनकी कीमत दो लाख 67 हजार 750 रुपये है। वित्तीय वर्ष में उनका अनुमानित आयकर रिटर्न तीन लाख 33 हजार 179 रुपये है। प्रधानमंत्री के हलफनामे के अनुसार उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

गाजे-बाजे के साथ बूथ तक लाएं मतदाता को

वाराणसी– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वाराणसी में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान सबसे पहले पीएम मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं को थैंक्यू कहा और एक जून तक अपना उत्साह और उमंग बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक पोलिंग बूथ पर विजय का मंत्र दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि लोगों का विश्वास जीतना आसान नहीं होता है। पंचायत चुनाव में भी जीतना हो तो नाकों चने चबाने पड़ते हैं। 24 घंटे लोगों के प्रति समर्पित रहना पड़ता है तब जनता प्यार करती है और अपना आशीर्वाद देती है। ऐसे में इस बार भी जनता का ये प्यार, ये उत्साह, ये आशीर्वाद रोड शो के साथ-साथ ईवीएम में भी दिखाई देना चाहिए। पीएम ने कहा कि मोदी तो जीत जाएगा, क्योंकि आप जिताने वाले हो, लेकिन इस बार मुझे हर एक पोलिंग बूथ जीतना है, जिसकी जिम्मेदारी आपकी है। पीएम मोदी ने कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि यदि आप सभी कार्यकर्ता इजाजत दें तो आपसे कुछ कहना चाहता हूं। आपसे इतना ही कहना है, थैंक्यू। पीएम ने कहा कि 2014 में भी यहां रोड शो किया था और 2019 में भी रोड शो किया था, देश भर में इन दिनों सप्ताह में तीन-चार रोड शो कर रहा हूं, लेकिन कल रोड शो के सारे रिकॉर्ड आपने तोड़ दिए। इसके लिए आपके माध्यम से जनता जनार्दन को सर झुकाकर धन्यवाद करना चाहूंगा। आज जो आप कर रहे हैं जीवन के कई वर्ष तक इस काम को मैंने भी किया है। संकल्प पूरा होने की खुशी एक कार्यकर्ता से ज्यादा किसी और को नहीं होती। उन्होंने कहा कि काशी में जो कुछ भी विगत दस वर्ष में हुआ है वो सब आपकी वजह से हुआ है। इसलिए पक्का भरोसा है कि इस बार भी आप संभाल लेंगे। आप चुनाव जीतने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

फिर एक बार मोदी सरकार की अगुआई करेगी काशीः योगी

वाराणसी–मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी का हर जनमानस अपने सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत-अभिनंदन के लिए आतुर दिखा। देश के कोटि-कोटि और लोकतंत्र के प्रति आग्रही, मानवता के कल्याण के प्रति सजग दुनिया के हर नागरिक की निगाह रोड शो व नामांकन कार्यक्रम पर रही। प्रधानमंत्री के नामांकन और सोमवार को उनके आगमन पर काशीवासियों का उमंग, स्नेह देखकर देश-दुनिया अभिभूत है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने दस वर्ष तक बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके कार्य किया है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में उन्होंने मंगलवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में वाराणसी संसदीय सीट के लिए आयोजित भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि काशी को नए रिकॉर्ड बनाने की तरफ अग्रसर होना है, क्योंकि काशीवासियों से जनप्रतिनिधि व संगठन के लोगों से मार्गदर्शक के रूप में पीएम का जुड़ाव प्रेरणादायी है। सीएम ने कहा कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में मोदी जी ने भारत को दुनिया में सम्मान दिलाने, सुरक्षा को पुख्ता करने, आतंकवाद-नक्सलवाद का स्थायी समाधान निकालने, विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करने, गरीब कल्याणकारी योजनाओं की नई श्रृंखला को बढ़ाने और आजाद भारत में आस्था को पहली बार सम्मान व प्रतिष्ठा दिलाने में अतुलनीय योगदान दिया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत, श्रेष्ठ भारत के रूप में आत्मनिर्भर व विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। काशी में उनके नामांकन पर दुनिया कौतूहल व आश्चर्य से निगाह लगाई थी। सीएम ने कहा कि काशी नई पहचान बना रही है। दस वर्ष में हुए परिवर्तन का मूर्त रूप नई काशी में दिखने को मिलता है। काशी ने दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित किया है। काशी किसी भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समिट को सकुशल संपन्न करती है। काशी आकर हर व्यक्ति अभिभूत होता है। नया काशी सब कुछ दे रहा है। सरकार के साथ साथ संगठन के मार्गदर्शक के रूप में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना के दौरान सेवा ही संगठन मंत्र दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव, बालकृष्ण के खिलाफ अवमानना मामले में सुरक्षित रखा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता) सुप्रीम कोर्ट ने आज योग गुरु बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ अवमानना केस पर आदेश सुरक्षित रखा। पतंजलि के जरिए भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित मामले में दोनों लोगों ने कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। अखबारों में सार्वजनिक माफीनाम भी प्रकाशित किया गया। बाबा रामदेव पतंजलि के प्रमोटर हैं, जबकि आचार्य बालकृष्ण कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर का पद संभाल रहे हैं. दोनों के ऊपर कोर्ट की अवमानना का आरोप है। सुनवाई के दौरान अदालत ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के चेयरमैन डॉक्टर अशोकन को भी आड़े हाथों लिया। अशोकन ने एलोपैथी डॉक्टरों के बारे में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी की आलोचना की थी। आज उन्होंने भी अदालत में माफीनामा दिया। हालांकि, कोर्ट ने उसे स्वीकार नहीं किया। ध्यान रहे कि पतंजलि के खिलाफ भ्रामक विज्ञापनों को लेकर याचिका आईएमए ने ही दाखिल की थी। इसके बाद ही अदालत ने पतंजिल को माफीनामा जारी करने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान रामदेव और बालकृष्ण ने उन दवाओं के विज्ञापन को वापस लेने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिनका लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। इस पर कोर्ट ने उन्हें दो हफ्ते का समय दिया। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के वकील ने उनके मुवक्किलों को अदालत में व्यक्तिगत पेशी से छूट देने की भी मांग की। कोर्ट इससे राजी हो गया और उन्हें पेशी से छूट मिली है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मामले में अदालत के आदेश पर प्रेस को इंटरव्यू देने पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अशोकन से सवाल-जवाब भी किया। आईएमए की याचिका को सुनते हुए कोर्ट ने बाबा रामदेव, बालकृष्ण और उत्तराखंड सरकार को काफी खरी खोटी सुनाई थी। मगर जैसे ही एलोपैथी डॉक्टरों के पर्चे में महंगी दवाई लिखने पर सवाल उठाए, वैसे ही आईएमए अध्यक्ष ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में जजों की आलोचना कर दी। अब कोर्ट से मिले नोटिस पर वह माफी मांग रहे हैं। अदालत ने पूछा, आप ने बिल्कुल वही किया है, जो पतंजलि ने किया था। आप आम आदमी नहीं हैं, क्या आप ऐसी चीजों के नतीजों को नहीं जानते? आप अपने सोफे पर बैठकर अदालत के आदेश पर विलाप नहीं कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप उन 3.5 लाख डॉक्टरों के लिए किस तरह का उदाहरण स्थापित कर रहे हैं, जो एसोसिएशन का हिस्सा हैं।

स्वाति मालीवाल के साथ हुई निंदनीय घटना,मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे केजरीवाल : संजय सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता) आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर बदतमीजी की घटना पर पहली बार पार्टी की ओर से बयान आया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि स्वाति मालीवाल के साथ बदतमीजी बेहद ही निंदनीय है। पार्टी स्वाति मालीवाल के साथ है। पार्टी बदतमीजी करने वाले लोगों का समर्थन नहीं करती है। खुद अरविंद केजरीवाल ने इसे गंभीरता से लिया है। संजय सिंह का कहना है कि सोमवार सुबह स्वाति मालीवाल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने के लिए उनके आवास पर पहुंची थीं। ड्राइंग रूम में वह अरविंद केजरीवाल का इंतजार कर रहीं थी। इस दौरान उनके साथ बेहद निंदनीय घटना हुई। इस बीच बिभव कुमार वहां पहुंचे और स्वाति मालीवाल के साथ अभद्रता और बदतमीजी की. सीएम केजरीवाल ने इस पूरी घटना पर खुद संज्ञान लिया है। इसमें वह खुद सख्त कार्रवाई करेंगे। स्वाति मालीवाल हमारी पुरानी साथी हैं। उन्होंने महिलाओं के सम्मान की लड़ाई लड़ी है।

पार्टी स्वाति मालीवाल के साथ है। पार्टी बदतमीजी करने वाले ऐसे लोगों का समर्थन नहीं करती है। बता दें कि दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने सोमवार को दिल्ली पुलिस में शिकायत की थी कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनके साथ अभद्रता और बदतमीजी की गई है। इस घटना के बाद से राजनीतिक सियासत भी गरम हो गई। भाजपा के नेता खुद को स्वाति मालीवाल के साथ होने की बात कहते हुए अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की भी मांग कर रहे थे।

आम आदमी पार्टी की ओर से इस मुद्दे पर कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं था। आज संजय सिंह ने इस विषय पर बयान दिया है। फिलहाल दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

भारत-कम्बोडिया के बीच सीधी उड़ान शुरू करेगी कंबोडिया अंगकोर एयर

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता) कंबोडिया की राष्ट्रीय ध्वज वाहक एयरलाइन कंबोडिया अंगकोर एयर कंपनी लिमिटेड ने नोम पेन्ह और राष्ट्रीय राजधानी के बीच 16 जून से सीधी उड़ाने शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। यह दोनों देशों के बीच पहली सीधी विमानन सेवा बतायी जा रही है। एयरलाइन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार उसकी उड़ानें कोड संख्या के 6760/के6761 साथ के तहत सप्ताह में चार बार (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार) उपलब्ध होंगी। कंबोडिया अंगकोर एयर ने कहा है कि दोनों देशों के बीच पहली बार सीधे वायु संपर्क होने जा रहा जो दोनों देशों में आने जाने वालों के लिए निर्बाध हवाई यात्रा के एक नए दौर शुरुआत है। गौरतलब है कि 2024 को 'कंबोडिया-भारत सांस्कृतिक पर्यटन वर्ष'के रूप में मनाया जा रहा है। कंपनी का कहना है कि कंबोडिया अंगकोर एयर की सीधी उड़ानों की ऐतिहासिक शुरुआत, दोनों देशों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटक आदान-प्रदान को बढ़ाने की दिशा में एक गहरा कदम है।

भाजपा के अहंकार को खंड-खंड करेगा बुंदेलखंड : अखिलेश

संवाददाता

जालौन, 14 मई (नवसत्ता) समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चार चरणों के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धराशायी हो गयी है और अब पांचवें चरण में बुन्देलखण्ड की धरती भाजपा के अहंकार को खंड-खंड करेगी। गठबंधन प्रत्याशी नारायण दास अहिरवार के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुये श्री यादव ने आज कहा कि भाजपा ने बुन्देलखण्ड की जनता को धोखा दिया है। भाजपा ने बुन्देलखण्ड के किसानों से आय दोगुनी करने का वादा किया था। तमाम तरह के सपने दिखाए थे। बुन्देलखण्ड की जनता अपने दुश्मन को पहचानती है। भाजपा की केन्द्र की दस साल और राज्य की सात साल की सरकार ने झूठे वादों और सपनों के अलावा बुन्देलखण्ड उरई जालौन, झांसी, ललितपुर में कुछ नहीं किया। इस लोकसभा चुनाव में

बुन्देलखण्ड की जनता भाजपा से हिसाब लेगी। बुन्देलखंड में भाजपा का सूपड़ा साफ कर देगी। उन्होने कहा कि भाजपा ने महंगाई आसमान पर पहुंचा दी है। खाद, कीटनाशक, डीजल, सिंचाई सब महंगी कर दी लेकिन किसानों की फसलों की कीमत नहीं बढ़ी। भाजपा ने किसानों को हर तरह से लूटने का काम किया है। झूठ और लूट भाजपा की पहचान बन चुकी है। भाजपा की सरकार में हमारा किसान गरीब होता जा रहा है। नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो गया। किसान, नौजवान संकट में है। भाजपा की सरकार ने उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रूपया कर्ज माफ कर दिया। किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। भाजपा सरकार ने जिस समय कर्ज माफी का फैसला लिया उस समय नीति बना दी कि जिनका पांच करोड़ रूपये से ज्यादा का कर्ज है उन्हीं का कर्ज माफ होगा। बीजेपी ने गरीबों और किसानों को धोखा देने के लिए यह नियम बनाया। श्री यादव ने कहा कि दिल्ली में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। भाजपा ने बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया। हम लोग अपने किसानों, गरीबों का कर्ज माफ करेंगे। कर्ज माफ करने के साथ हम लोग फसलों की एमएसपी के लिए कानूनी अधिकार दिलाएंगे। भाजपा सरकार द्वारा लाए गये तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने आंदोलन किया और फसलों की कीमत के लिए, एमएसपी को कानूनी अधिकार के लिए आंदोलन करना पड़ा। आंदोलन में लगभग एक हजार से ज्यादा किसान शहीद हो गये। जब से बीजेपी की सरकार आयी है एक लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं।

बेकाबू वाहन की टक्कर से दुकानदार की मौत

संवाददाता

सलोन-रायबरेली, 14 मई (नवसत्ता)। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को कास्मेटिक की दुकान खोलने जा रहे बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे युवक की मौत हो गई।

सलोन कस्बे के मोहल्ला कच्ची मस्जिद निवासी मोह मद अल्ताफ (22) पुत्र मोह मद राइस की गणेशगंज बाजार में कास्मेटिक एवं चूड़ी की दुकान है। युवक सुबह बाइक से अपनी दुकान पर जा रहा था। सलोन-प्रतापगढ़ राष्ट्रीय राज्यमार्ग अज्ञात वाहन ने युवक की बाइक में जोरदार टक्क र मार दी।

इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घायल युवक को सीएचसी पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।जिला अस्पताल पहुंचते ही युवक की मौत हो गई।

डॉ. अमित सचान ने बताया कि युवक के सिर पर गंभीर चोट होने के कारण उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया था। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

जनसभा आज अमेठी का गौरव है यहां पर बनने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक राइफल

अमेठी की बनी राइफल एके 203 से थर्राता है पाकिस्तान : सीएम योगी

संवाददाता

अमेठी, 14 मई (नवसत्ता) आज अमेठी में दुनिया की सबसे अच्छी असॉल्ट राइफल क्लाशनिकोव एके 203 का निर्माण हो रहा है, जिसे रशिया के साथ मिलकर भारत तैयार कर रहा है। इसकी सौगात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठीवासियों को दी है। अमेठी की राइफल एके 203 जब देश के जवानों के हाथों में होती है तो पाकिस्तान थर्राता है। आज यह अमेठी का गौरव है जबकि कांग्रेस और सपा के लोग यहां के नौजवानों के हाथों में तमंचे थमाती थी। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जगदीशपुर के अमेठी लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान

उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पक्ष में वोट की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि वाराणसी में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में जनता जनार्दन ने अभूतपूर्व स्वागत किया। यह तब होता है जब एक राष्ट्र नायक अपनी जनता जनार्दन के लिए सब कुछ समर्पित कर देता है। काशी की सड़कों पर लाखों लोग घंटों तक रोड शो का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए काशीवासी इसलिए उत्साहित थे क्योंकि पिछले 10 वर्षों में उन्होंने काशी को पहले से ज्यादा दिव्य और भव्य बना दिया है। उन्होंने काशी को चमका कर रख दिया है। वहीं अमेठी ने भी अपना प्रधानमंत्री चुना था, लेकिन उन्होंने इसे एक जिला मुख्यालय तक नहीं दिया। इतना ही नहीं कनेक्टिविटी के लिए फोर लेन तक नहीं दी। इसी अमेठी को लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के आग्रह पर एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया ताकि यहां के नौजवानों को रोजगार मिल सके। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अमेठी में मेडिकल कॉलेज, जिला मुख्यालय, पुलिस लाइन, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का निर्माण भारतीय जनता पार्टी कर रही है जबकि पहले लोग सिर्फ वोट के लिए यहां आते थे। इतना ही नहीं डबल इंजन की सरकार पेशेवर गुंडों और अपराधियों का भी इलाज कर रही है। सीएम ने कहा कि यह अवध क्षेत्र है, जहां लोग भूखे तो रह सकते हैं, लेकिन प्रभु श्रीराम को नहीं भूल सकते हैं। श्रीराम तो आपके रोम-रोम में बसते हैं। वहीं पहले जिनको आप चुनते थे, वही प्रभु राम को नकारते थे, अपमानित करते थे और उनके बारे में अनर्गल टिप्पणी करते थे। यह आपके ही वोट से देश में सरकार बनाते थे और यहां से निकलने के बाद अमेठी वासियों को बुरा भला कहते थे। वहीं अमेठी की जनता ने रामलला पर हमला कराने वालों को जवाब दिया और आज उनकी चुनी मोदी सरकार ने 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में दिव्य, भव्य रामलला का मंदिर बना दिया है। सीएम योगी ने अमेठी की जनता से आग्रह किया कि इस बार फिर उन लोगों को करारा जवाब देना है, जो सिर्फ वोट के लिए आते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से गौतम नवलखा को भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में मिली जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता) सुप्रीम कोर्ट ने आज सामाजिक कार्यकर्ता गौतम नवलखा को एल्गार परिषद मामले में बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर लगी रोक हटाकर जमानत पर बाहर आने की अनुमति दे दी। 73 वर्षीय गौतम नवलखा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उनकी बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए नवंबर 2022 से घर में नजरबंद कर दिया गया था। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने नवलखा को घर में नजरबंदी के दौरान सुरक्षा पर हुए खर्च के लिए 20 लाख रुपये का भुगतान करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा, हम रोक को आगे नहीं बढ़ाने के पक्ष में हैं क्योंकि उच्च न्यायालय

का आदेश जमानत देने में विस्तृत है। मुकदमा पूरा होने में कई साल लगेंगे। विवादों पर विस्तार से चर्चा किए बिना, हम रोक की अवधि नहीं बढ़ाएंगे। कुल मिलाकर विपक्षी पार्टी को 20 लाख रुपये का भुगतान यथाशीघ्र किया जाए। कोर्ट ने कहा कि नवलखा चार साल से अधिक समय से जेल में हैं और मामले में अभी तक आरोप तय नहीं किए गए। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 19 दिसंबर, 2022 को नवलखा को जमानत दे दी थी, लेकिन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने के लिए समय मांगने के बाद अपने आदेश पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी थी। नवंबर 2022 में, सुप्रीम कोर्ट ने नवलखा को घर में नजरबंद करने की अनुमति दी और वह वर्तमान में नवी मुंबई में रह रहे हैं। यह मामला 31 दिसंबर, 2017 को पुणे में आयोजित एल्गार परिषद सम्मेलन में दिए गए कथित भड़काऊ भाषणों से संबंधित है, जिसके बारे में पुलिस का दावा है कि अगले दिन शहर के बाहरी इलाके में कोरेगांव-भीमा युद्ध स्मारक के पास हिंसा भड़क उठी। दंगों में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। मामले में सोलह कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से पांच फिलहाल जमानत पर हैं।

राहुल से रायबरेली का खून का रिश्ता है: डा. पंकज श्रीवास्तव

संवाददाता

रायबरेली, 14 मई (नवसत्ता)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ.पंकज श्रीवास्तव ने कहा है कि राहुल गाँधी ने रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से नामांकन करके सौ साल पुराने रिश्ते को नई चमक दे दी है। राहुल और रायबरेली के बीच खून का रिश्ता है। खून का रिश्ता सिर्फ एक माँ से जन्म लेने वालों के बीच नहीं होता, यह धरती माता के लिए खून बहाने वाली संतानों के बीच भी होता है। एक सौ तीन साल पहले रायबरेली के किसानों की शहादत ने नेहरू-गाँधी परिवार को आजादी के आंदोलन का परवाना बना दिया था। रायबरेली नेहरू-गांधी परिवार की राजनीतिक दीक्षा भूमि है जिसका ऋण चुकाते हुए इंदिरा गाँधी से लेकर सोनिया गाँधी तक ने यहाँ की सांसद बनकर अभूतपूर्व सेवा की। सेवा की वही मशाल अब राहुल गांधी के हाथ में है।

डा.पंकज ने कहा कि सेवा के सौ साल की यह कहानी 1920-21 के असहयोग आंदोलन से शुरू होती है। अंग्रेजपरस्त जमींदारों के जुल्म के खिलाफ पूरा अवध बाबा रामचंद्र और मदारी पासी के नेतृत्व में चल रहे किसान आंदोलन से धधक रहा था। किसानों के प्रतिनिधि इलाहाबाद जाकर मोतीलाल नेहरू से मिले थे जिन्होंने युवा पुत्र जवाहर लाल को उन्हें सौंप दिया था। जवाहर लाल नेहरू रायबरेली-प्रतापगढ़ के पूरे इलाके में पदयात्रा करके किसानों की दुर्दशा को देख रहे थे। आजादी और किसान मुक्ति का उनका संकल्प दृढ़ होता जा रहा था।

इस बीच रायबरेली के मुंशीगंज में हुए गोलीकांड ने जवाहर के जीवन की धाराबदल दी। अपने गिरफ्तार साथियों को छुड़ाने की मांग कर रहे किसानों को 7 जनवरी 1921 को सई नदी के पुल पर घेरकर गोलियों से भून दिया गया। जमींदार वीरपाल सिंह और अंग्रेजी सवारों की इस गोलीबारी में जनश्रुति के हिसाब से कम से कम साढ़े सात सौ किसान मरे और हजारों घायल हुए थे। आधिकारिक रूप से तादाद बेहद कम बताई गयी थी। अंग्रेजी प्रशासन ने सैकड़ों लाशें सई नदी में बहा दी थीं। आंदोलन की स्थिति के बारे में किसानों ने आनंद भवन तार कर दिया था जिसे पढ़कर जवाहरलाल नेहरू पंजाब मेल से उसी दिन रायबरेली पहुंच गये थे।

उन्होंने अपनी आँखों से शहीद किसानों की लाशें देखी थी। दूसरे दिन मोतीलाल नेहरू भी रायबरेली पहुंच गये थे। दोनों पिता-पुत्र ने रायबरेली के जिला अस्पताल में भरती घायलों की देखभाल और शहीद परिवारों की मदद के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को झोंक दिया। पत्रकार शिरोमणि गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपने अखबार 'प्रताप' में मुंशीगंज गोलीकांड को दूसरा जलियांवाला बाग कांड बताया था।

मूल रूप से रायबरेली के ही रहने वाले डा. पंकज श्रीवास्तव ने बताया

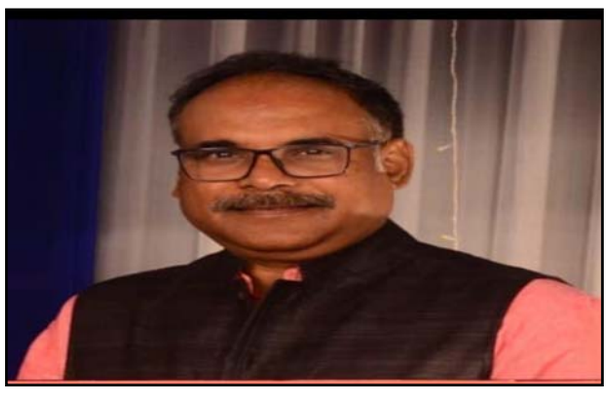

कि मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू की पहली गिरफ्तारी किसान आंदोलन से धधके असहयोग आंदोलन की वजह से जब 6 दिसंबर 1921 को इलाहाबाद के आनंद भवन से हुई तो उनके साथ प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के 55 लोग थे। इनमें रायबरेली के पं. माताप्रसाद मिश्र और मीर वाजिद अली वकील भी थे। वाजिद अली के दादा मीर बाकर अली को 1857 की क्रांति में शामिल होने की वजह से रायबरेली में सरेआम फांसी दी गयी थी।

उन्होंने बताया कि रायबरेली और नेहरू-गांधी परिवार का यह रिश्ता 1930 के नमक आंदोलन से और पुख्ता हुआ। संयुक्त प्रांत में नमक बनाने का कांग्रेस का पहले कार्यक्रम 8 अप्रैल 1930 को बेलीगंज स्थित पुराने तिलक भवन (कांग्रेस कार्यालय) पर आयोजित किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए इलाहाबाद से पं. मोतीलाल नेहरू, कमला नेहरू, विजयलक्ष्मी पंडित के साथ 13 बरस की इंदु भी थीं। कौन जानता था कि यह इंदु एक दिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बनकर रायबरेली का नाम पूरी दुनिया में रोशन करेगी। उस दिन जो नमक बना वह 51 रुपये में बेचा गया था लेकिन रायबरेली की जनता के लिए वह अनमोल था।

रायबरेली में नेहरू-गांधी परिवार के इस आंदोलनकारी स्वरूप के साक्षी बने थे मुंशी सत्यनारायण, मुंशी कालिका प्रसाद, पं. माता प्रसाद मिश्र, पं. मार्तण्डदत्त वैद्य और डा. अवंतिका प्रसाद जैसे रायबरेली के वरिष्ठ कांग्रेस जन जिनके निर्भय व्यक्तित्व ने जिले के आम लोगों के मन से अंग्रेजों का खौफ निकाल दिया था। 'गाँधी बाबा की जय' महामंत्र बनकर हर तरफ गूंज ने लगा था।

रायबरेली में कई ऐसे स्वतंत्रता सेनानी थे जो पं. नेहरू को सिर्फ 'जवाहर' कहने का हक रखते थे। उन सबका दबाव था कि जवाहर रायबरेली की नुमाइंदगी करें, लेकिन अंततः 1952 के पहले चुनाव में उनके दामाद और स्वतंत्रता सेनानी फीरोज गांधी का यहाँ से लड़ना तय हुआ। इंदिरा गांधी ने अपने पति के इस चुनाव में जमकर प्रचार किया और रायबरेली के एक-एक गली-कूचे से वाकिफ हुई। इसी के साथ रायबरेली के विकास की इबारत लिखी जानी शुरू हुई।

1967 में इंदिरा गाँधी सांसद बनी तो दुनिया का ध्यान रायबरेली की ओर गया। 2004 से 2024 सोनिया गाँधी ने रायबरेली की सांसद रहकर सेवा की मिसाल कायम की।

डा. पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि राहुल गांधी उसी विरासत को संभालने रायबरेली पहुंचे हैं। जो लोग इस रिश्ते का इतिहास नहीं जानते वे हैरान होते हैं कि आखिर ऐसा क्या है नेहरू-गांधी परिवार में कि उसके किसी सदस्य के चुनाव लड़ते ही जनता खुद मोर्चे पर उतर पड़ती है।

रायबरेली की जनता का सवाल है कि देश का कोई दूसरा परिवार बताओ जिसका हर सदस्य आजादी के आंदोलन में जेल गया हो? पुरुष ही नहीं, महिलाएं भी? बेटी-दामाद भी? जिसने इलाहाबाद का स्वराज भवन और आनंद भवन जैसी विशाल संपत्ति देश पर कुर्बान कर दी हो? इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने तो खून का एक-एक कतरा देश पर कुर्बान कर दिया। ऐसा कोई दूसरा परिवार देश में हो तो बताओ? यह सत्ता का नहीं, संघर्ष और शहादत का परिवारवाद है!

यही नहीं, आजादी के आंदोलन के दौरान लिये गये संकल्पों को पूरा करने की जैसी जिद इस परिवार में दिखती है, दूसरे किसी में नहीं। यह देखकर रायबरेली का सीना चौड़ा हो जाता है। राहुल गांधी जब मोहब्बत का पैगाम लेकर पूरे भारत को पैदल नापते हैं तो रायबरेली के लोग रोमांचित हो उठते हैं। उन्हें लगता है कि इस यज्ञ में वे भी आहुति दे रहे हैं। राहुल को राबरेली से रिकॉर्ड मतों से जिताकर रायबरेली नेहरू-गांधी परिवार से एक सदी पुराने रिश्ते को नयी धार देगी।

मोदी जी स्वार्थपरक राजनीति को पोषित करते हैं: प्रियंका गांधी

अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए, सोच समझकर करें मतदान

अमेठी,14 मई (नवसत्ता)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने आज अमेठी लोकसभा क्षेत्र में पार्टी के प्रत्याशी के एल शर्मा के समर्थन में नहर कोठी, मोहइया केसरिया, फुरसतगंज पीढ़ी, सरायमहेशा, मोहनगंज, तिलोई, रस्ता मऊ, राजा फत्तेपुर क्षेत्रों में नुक्कड़ सभाएं कर उनके लिए वोट की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा आज आपसे देश की और अमेठी की बात करना चाहती हूँ। अमेठी ने एक राजनीतिक सभ्यता स्थापित की है। आपकी जागरूकता थी कि आपने बार-बार मेरे पिताजी और माताजी को अमेठी से जिताया। आपने उनके निष्ठा को उनके कार्य को उनके विकास को सम्मान देते हुए, उन्हें जिताया। आपके जिताने का आधार उनकी निष्ठा थी। जब मैं 10 साल की उम्र से यहां आ रहीं हूं और यहां की ऊसर सफेद

जमीन को देखने के बाद मैंने पिताजी से पूछा कि आखिर यह जमीन सफेद क्यों है, मैंने ऐसी जमीन कभी देखी नहीं थी तब उन्होंने बताया कि इसमें नमक की मात्रा ज्यादा है और यह उपजाऊ नहीं है। यह तब की बात थी और अगर आज आप कहीं भी जाएं तो आपको अमेठी में हरियाली दिखेगी। आज के नौजवानों को शायद यह बात मालूम नहीं है कि यहां पर ऊसर सुधार की कितनी बड़ी योजना मेरे पिताजी लाये थे। पिताजी दो योजनाएं लेकर आए थे, एक योजना थी ऊसर सुधार योजना और दूसरी योजना थी सिंचाई की योजना। किशोरी भाई बता रहे थे कि जब पिताजी गांव में घूमते थे तो उनसे किसान कहते थे कि वह इतना पैदा कर लेते हैं कि 6-7 महीने अपने परिवार का पेट भर सकते हैं बाकी महीनों के लिए खरीदना पड़ता है। तो पिताजी को लगा कि अगर जमीन उपजाऊ कर दी जाए और सिंचाई की व्यवस्था कर दी जाए तो किसानों की पैदावार अपने आप बढ़ जाएगी। इसके अलावा उन्होंने विकास के कई सारे काम किय।

बाकी देश से अमेठी को जोड़ने वाली सड़कें सोनिया जी और राहुल जी के समय में बनवाई गई। अमेठी का जितना विकास हुआ वो हमारी निष्ठा और नीति को दिखाता है। नेताओं को जवाबदेह आपने बनाया। चाहे मेरे पिताजी हो चाहे मेरी माता जी हों चाहे मेरे भाई हों, हम सभी को राजनीतिक सभ्यता सिखाई। अमेठी और रायबरेली में जो आप जनता नें राजनीतिक सभ्यता स्थापित की वह दिल्ली की राजनीतिक सभ्यता को बनाती थी। गांधी जी भी आप तक पैदल चल कर आए थे। सत्य और अहिंसा के बल पर कैसे उन्होंने उतने बड़े ब्रिटिश साम्राज्य को झुकाया यह आप सब ने देखा है। किसानों को जमीन दिलवाने, पट्टे दिलवाना यह सारे काम हमने किए हैं। आज की तरह पहले नेताओं के अंदर अहंकार नहीं होता था। नेताओं की जवाबदेही जनता के प्रति होती थी।

श्रीमती प्रियंका गांधी जी ने कहा कि यहां की सांसद जब 400 रुपए का सिलेंडर हुआ तो दिल्ली में सिलेंडर पर बैठकर मीडिया के सामने हड़ताल की बातें कर रहीं थीं, अब 1200 का हो गया है तो चुप हो गई।

महिला सशक्तिकरण की बात करते है, लेकिन ये रक्षा महिला पर अत्याचार करने वालों की करते हैं। उन्नाव में युवा लड़की के साथ अत्याचार हुआ और इन लोगों ने अत्याचारियो को बचाया। यही हाथरस में हुआ, उस लड़की की चिता को रात में जला दिया गया, मां-बाप उसे देख भी नहीं पाए, यही है मोदी जी की सरकार जिससे आपकी सांसद हैं। नौजवान बेरोजगार पड़े है, उनके लिए कोई योजना नहीं है केंद्र में 30 लाख पद खाली पड़े हैं, सरकार की यदि नीयत सही होती है तो नीतियां भी सही होती हैं।

अमेठी की जनता सबक सिखाने का काम करेगी: मनोज कुमार पाण्डेय

संवाददाता

सलोन-रायबरेली, 14 मई (नवसत्ता)। अमेठी संसदीय क्षेत्र के सलोन विधान सभा के वनदेवी मन्दिर के विशाल प्रांगण में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन ऊंचाहार विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करती हुई केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रबुद्ध समाज ने सदैव देश को नई दिशा देने का काम किया गया है, जब-जब देश संकट में रहा है तब तब उस संकट से निकालने का काम प्रबुद्ध समाज ने किया, केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होने सदैव प्रबुद्ध समाज के लोगों का सम्मान करने का काम किया, कुछ लोगों ने रायबरेली और अमेठी को भावनाओं के नाम से छलने का काम किया जिसका परिणाम यह रहा है कि एक तरफ भावनायें काम करती रही दूसरी तरफ धोखा चलता रहा, पर यही

कारण रहा है कि अमेठी के लोगों को भावनाओं के नाम पर छलने वाले लोगों ने केवल छल छलावा और धोखा देने का काम किया, वहीं अमेठी लोकसभा क्षेत्र में तिलोई में आक्सीजन प्लांट की स्थापना मेडिकल कालेज हेतु प्रस्ताव, सिंहपुर में आई टी आई कालेज की स्थापना सैनिक स्कूल एवं 400 से अधिक बड़ी सड़कों का निर्माण कराया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री और ऊंचाहार के तीसरी बार के विधायक मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, सही और गलत, नीति-अनीति, धर्म अधर्म सेवा और धोखा का मूल्यांकन भारत से अधिक कहीं नहीं होता और खासकर जहां मैं आज बोल रहा हूं यह देश की सबसे अधिक जागरूक जनता अमेठी की है, श्री पाण्डेय ने कहा कि देश की आजादी से लेकर देष को शिक्षा, साहित्य, संस्कार सभ्यता से जोड़ने का काम प्रबुद्ध समाज ने किया है, और सही समय पर सही निर्णय भी देने का काम किया है। राष्ट्र के लिए अपने जीवन को न्यौछावर करने का काम किया। सम्मान देने वालों का कभी साथ नहीं छोड़ा है, परन्तु जनता का अपमान करने वालो को बख्शा भी नहीं है।

एमपी के उप मुख्यमंत्री ने पूर्व विधि न्याय मंत्री से मुलाकात कर किया चुनावी चर्चा

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 14 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने 14 मई लालगंज नगर का भ्रमण कर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। पूर्व विधि एवं न्याय मंत्री गिरीश नारायण पाण्डेय एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवसागर अग्निहोत्री के आवास पर जाकर मुलाकात की। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रायबरेली से इस बार कमल खिलने जा रहा है।

श्री शुक्ल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि गरीब जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित परिवारों से निरंतर संपर्क कर उन्हें भाजपा के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें। पूरे देश में भाजपा के पक्ष में जबरदस्त माहौल है, भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन चार सौ

से अधिक सीटें प्राप्त करेगा सभी कार्यकर्ताओं से अपने अपने बूथों पर अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जुटने की अपील किया।

इस मौके पर भाजपा नेता चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, कैलाश बाजपेई, शिवसागर अग्निहोत्री, कौशिक बाजपेई आशुतोष शुक्ला, जय कुमार बाजपेई, अक्षत पाण्डेय, मंटू बाजपेई, राहुल अग्निहोत्री, विमलेश अग्निहोत्री, महेश स्वर्णकार, सभासद रवीन्द्र सोनी, रबी सिंह, सानू बाजपेई, राधेश्याम गुप्ता अर्पित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पीड़ित ने अवैध निर्माण रुकवाने की तहसील प्रशासन से लगाई गुहार

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 14 मई (नवसत्ता)। पीड़ित महिला ने अवैध निर्माण रुकवाने के लिए तहसील प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है पीड़िता को ध्यानपूर्वक सुनकर तहसीलदार मंजुला मिश्रा ने पुलिस व राजस्व निरीक्षक को उचित कार्रवाई का निर्देश दिया।

ईश्वरीगंज मजरे खजूरगांव थाना लालगंज निवासी महिला पप्पू कुमारी ने बताया कि मेरे पति राजबहादुर पूर्ण रूप से आंखों से अंधे हैं जिनके नाम भूमि है जिसके बंटवारे का मुकदमा एसडीएम साहब लालगंज के न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें न्यायालय श्रीमान द्वारा यथास्थिति बनाए रखने एवं नवनिर्माण करने से पक्षों को रोका गया है परन्तु न्यायालय

द्वारा पारित आदेश का उल्लंघन करते हुए गांव के ही सीताराम पुत्र बिंदई दिनेश कुमार, कमलेश कुमार, उमेश कुमार पुत्र गण सीताराम जबरन विवादित भूमि पर निर्माण कर रहे हैं जिसे रोकने के लिए 100 नंबर पुलिस को सूचित किया गया जो मौके पर आई परंतु स्थगन के बावजूद निर्माण को नही रोका, तब पीड़ित महिला ने तहसीलदार लालगंज को प्रार्थना पत्र देकर अपनी व्यथा से अवगत कराया तहसीलदार ने पुलिस व राजस्व निरीक्षक को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया तब जाकर विपक्षी का निर्माण कार्य रोका गया।

हादसे में पिता की मौत

प्रतापगढ़,14 मई (नवसत्ता)। जिले में फायर ब्रिगेड की गाड़ी और स्कूटी में टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार पिता की मौत हो गई। वहीं उनकी दो बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल मे भर्ती कराया। स्कूटी पर तीन लोग सवार थे।

जिला सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न

रायबरेली, 14 मई (नवसत्ता)। कैप्टन (नौसेना) अतुल्य दयाल की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभाकक्ष में जिला सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सैनिक बन्धु सदस्यों तथा पूर्व सैनिकों की समस्याओं एवं अन्य विषयों पर चर्चा की गयी। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी द्वारा पूर्व सैनिकों को वरीयता के साथ नियमानुसार उनके कार्यों/समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन से निस्तारण कराने का आश्वासन दिया गया।बैठक में सैनिक बन्धु समिति के सदस्य कॉर्पोरल चन्द्र भान शुक्ला, सूबेदार दुष्यन्त लाल आनरेरी कैप्टन आर0 बी0 सिंह तथा अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। सभी उपस्थित सैनिक बन्धु सदस्यों एवं पूर्व सैनिकों/आश्रितों का जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी रायबरेली, कैप्टन अतुल्य दयाल द्वारा स्वागत किया गया।

वरिष्ठ जनों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित किया गया शिविर

संवाददाता

रायबरेली, 14 मई (नवसत्ता)। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ तथा जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री तरुण सक्सेना के निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के तत्वाधान आज वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम), आई0टी0आई0 कैम्पस दूरभाष नगर, रायबरेली में वृद्धजनों के लिए विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिव अनुपम शौर्य के द्वारा उपस्थित वृद्धजनों को यह बताया गया कि कैसे आप अपने विधिक अधिकारों के प्रति सचेत रहे।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर गति शक्ति उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें दोहरा पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	जीएसयू–एलकेओ–एसएनटी–डीडी–बी–रूट–दूसरी
कार्य का नाम	''लखनऊ मंडल पर 'बी' रूट पर डबल डिस्टेंट सिग्नल का प्रावधान''।
अनुमानित लागत	रु 162705940.41/–
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु 963500.00/–
कार्य पूरा करने की अवधि	24 महीने
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	04.06.2024 at 15:00 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in उप. चीफ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता/गति शक्ति कार्यालय/म.रे. प्र.कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।

- समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी। निविदा सू० सं० जीएसयू–एलकेओ–एसएनटी–डीडी–बी–रूट –दूसरी दिनांक: 13.05.2024

1447/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चोरी कर भाग रहे चोरों को ग्रामीणों ने पकड़कर किया पुलिस के हवाले

संवाददाता

हलिया-मिर्जापुर, 14 मई (नवसत्ता)। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में बीती रात लगभग 1:30 बजे चोरी के उपरांत सामान लेकर भाग रहे चोरों को ग्रामीणों ने घर से दूर पिपरा बाजार के पास दौड़ा कर पकड़ते हुए सामान सहित इलाकाई हलिया पुलिस के हवाले करने के उपरांत मंगलवार को थाने में तीन लोगों के विरूद्ध नामजद तहरीर दे कर कार्यवाही की मांग की है।

थाना क्षेत्र के मुडपेली गांव निवासी मुरली कोल ने दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती रात लगभग 1:30 बजे घर के पिछवाड़े से घर में घुसे चोरों ने बाक्स मे रखा चांदी का छागल, मोबाइल, कसहडा तथा घर में लगी टीवी निकाल कर सब सामान लेकर जा रहे थे कि अचानक भनक लगने पर हम लोगों ने पीछा करते हुए दूर पिपरा बाजार के पास सामान सहित चोरों को पकड़ लिया। दी गई तहरीर में तीन लोगों के खिलाफ नाम जद तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस तहरीर मिलने के बाद कार्यवाही में जुट गयी है।

व्यय प्रेक्षक नामांकन कक्ष पहुंचकर किया निरीक्षण

मिर्जापुर,14 मई (नवसत्ता)। व्यय प्रेक्षक सांकेत काले ने नामांकन कक्ष पहुंचकर निरीक्षण किया। जिला प्रशासन द्वारा जारी की विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान उन्होंने नामांकन कक्ष में नामांकन प्रक्रिया को देखा तथा जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन से मुलाकात की। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल, मुख्य राजस्व अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी मड़हिन युगांतर त्रिपाठी इत्यादि अधिकारी उपस्थित रहे।

संविधान की रक्षा ही लोकतंत्र की रक्षा है: सचिन पायलट

संवाददाता

रायबरेली, 14 मई (नवसत्ता)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने रायबरेली के प्रत्याशी राहुल गांधी के समर्थन में सहगो, तमनपुर बच्चारावन, पश्चिमगांव, प्रमाणपुर राही ब्लॉक, महनदपुर सिटी में नुक्कड़ सभाएं और जनसंपर्क किया और रायबरेली की सम्मानित जनता से राहुल जी के पक्ष में मतदान की अपील की। श्री सचिन पायलट ने कहा कि पिछले दस बरसों से देश की मौजूदा सरकार जो आप जनता के मतदान से चुनी गई फिर भी सिवाय जुमले के काम कुछ नहीं किया। जिन मुद्दों की बात करके वह सत्ता में आए थे उन्हीं मुद्दों को जनता का मुद्दा मानना ही बंद कर दिया। महंगाई कम करने की बात की थी, काला धन लाने की बात की थी। आप इन मुद्दों पर उनसे रिपोर्ट जरूर मांग सकते हैं। यह आपका हक है। इस सरकार ने कहा किसानों की आय दुगनी होगी, नहीं हुई। इन्होंने कहा

काला धन वापस लाएंगे, नहीं आया बल्कि काला धन और बढ़ गया। इन्होंने किसानों के तीन काले कानून बनाएं और किसानों के विरोध के बाद में वापस लेना पड़ा। जीएसटी लेकर आए जिससे आज पूरी जनता देश की परेशान है। और सबसे बड़ी बात इस सरकार ने निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला। एक साथ 147 सांसदों को निलंबित किया। सबसे बड़ी बात इन्होंने संस्थाओं के ऊपर स्वयं प्रश्नचिह्न लगाया। विश्वसनीयता को आरोपित किया। चंडीगढ़ का आपने चुनाव देखा जहां पर निर्वाचन अधिकारी स्वयं बैठकर वोटों को खराब कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। जिन संस्थाओं को बनाने में 70 साल का समय लगा उन्हीं संस्थाओं की विश्वसनीयता पर ये प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं। दस साल सरकार में थे। क्या किया इसका जबाब इनके पास नहीं है। और फिर यह आपसे 5 साल और मांग रहे हैं और बात कर रहे है 2047 की। जिन नौजवानों को नौकरी चाहिए उनको नौकरी दे नहीं रहे हैं। सैनिक बनने की चाहत रखने वाले युवाओं को चार साल की नौकरी, अग्निवीर जैसी योजना दे रहें हैं। मजदूर, किसान, नौजवान, महिला सबको इन्होंने ठगने का काम किया है।

लोकतंत्र में मतदान का अधिकार हर देश में है लेकिन यहाँ हम जबाबदेही तय कराते हैं। अगर संविधान हमें अधिकार देता है अपनी अपनी संस्थाओं की शुचिता और जबाबदेही को जानने का तो ये उन संस्थाओं पर पर प्रश्नचिन्ह क्यों लगा रहें हैं अपने सरकार के दबाब से।

श्री पायलट ने कहा कि सरकार बनाने के लिए 272 की संख्या चाहिए फिर ये 400 की बात क्यों कर रहें हैं सोचिये आखिर ऐसी क्या नौबत आ गई कि भाजपा के बड़े-बड़े शीर्ष नेतृत्व को आकर इस बात को बताना पड़ रहा है कि वह संविधान में छेड़छाड़ नहीं करेंगे आखिर यह क्यों कहना पड़ रहा है। क्योंकि वे संविधान में छेड़छाड़ करना चाहते हैं। इसलिए अभी आपके पास मौका है अपने संविधान की रक्षा का, लोकतंत्र की रक्षा का। हमें इस बात का पूर्ण विश्वास है कि हमारा गठबंधन एक नया इतिहास लिखेगा। रायबरेली के इस चुनाव में पूरी की पूरी केंद्र सरकार अपने संसाधनों का इस्तेमाल यहां कर रही है। इसलिए आप सबसे अनुरोध है की जात धर्म से ऊपर उठकर अपने विकास को चुने अपनी लोकतंत्र को चुनें।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन	Lucknow-NR-Division- Commercial/Northern Railway
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	01-WVM-2024
कार्य का विवरण	Installation and operation of Water Vending Machines at Various station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.05.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20.05.2024 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20.05.2024 समय 14:20 बजे
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of Water Vending Machines to be auctioned on Auction Catalogue No: - 01-WVM-2024

Sn	Station	Lot No	No of WVW's	Close Date/ Time
1	Sultanpur	MSS-LKO-SLN-WVM-11-23-1	07	20-05-24 13:30:00
2	Jaunpur City	MSS-LKO-JOP-WVM-14-23-1	02	20-05-24 13:40:00
3	Amethi	MSS-LKO-AME-WVM-12-23-1	04	20-05-24 13:50:00
4	Prayag	IMSS-LKO-PRG-WVM-16-23-1	06	20-05-24 14:00:00
5	Jaunpur Jn.	MSS-LKO-JNU-WVM-18-23-2	07	20-05-24 14:10:00
6	Raebareli	MSS-LKO-RBL-WVM-7-23-1	06	20-05-24 14:20:00

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

1422/24

दोनों लड़के जीते तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो फिर टूटेंगे: सीएम

मुख्यमंत्री ने फैजाबाद के सांसद व भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए मांगा वोट

संवाददाता

बाराबंकी, 14 मई (नवसत्ता) इस देश में रामभक्त और रामद्रोही हैं। रामभक्त राम मंदिर से उत्साहित हैं तो रामद्रोही नाखुश हैं। रामभक्तों पर गोलियां चलाने वाले यह लोग कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है। मोदी का विरोध सिर्फ रामद्रोही और पाकिस्तान ही कर रहे हैं। रामभक्त ही राष्ट्रभक्त हैं। वे भारत के उत्थान के बारे में सोचते हैं तो रामद्रोही पाकिस्तान का राग अलाप रहे हैं। वे कहते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ मत बोलो- उसके पास एटम बम है। पाकिस्तान समर्थक रामद्रोही जान लें कि हमारे पास भी एटम बम है, हमारा एटम बम फ्रिज में रखने के लिए नहीं बना है। यह लोग एक तरफ एटम बम की धमकी से भारत के दुश्मनों का उत्साह बढ़ा रहे हैं तो दूसरी तरफ राम मंदिर का विरोध कर राम को अपमानित कर रहे हैं। सपा-कांग्रेस पर बरसते हुए यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। फैजाबाद के सांसद व भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए दरियाबाद रेलवे स्टेशन के पास मैदान में मंगलवार को जनसभा में योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस-सपा की नीतियों और नेताओं को खूब धोया। बोले कि रामद्रोही नाखुश हैं। वे कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है, यह राम भक्तों पर गोलियां चलाते थे। इनके समय में जन्मभूमि पर आतंकी हमला होता था और आतंकियों पर दायर मुकदमे वापस लिए जाते थे। सीएम ने कहा कि रामलला के विराजमान होने में अयोध्या के आमजन का बड़ा योगदान है, क्योंकि आपके वोट के बल पर मोदी जी को ताकत मिलती है। विदेशी आक्रांताओं ने हमारी आस्था से खिलवाड़ कर अयोध्या में रामलला के मंदिर को क्षतिग्रस्त कर गुलामी के ढांचे को स्थापित किया था, लेकिन आपके वोट की बदौलत इसे हटाने और मंदिर बनाने की ताकत मिली। 22 जनवरी को जब 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और प्रभु रामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान हुए। आपके दर्शन करने से प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद का सर्वाधिक सौभाग्य मुझे और मोदी जी को प्राप्त होता है, क्योंकि आप की दुआ हमें लगती है। अब अयोध्या में लाखों का जनसैलाब दर्शन करने उमड़ रहा है। सीएम ने कहा कि भारत में शासन की सबसे अच्छी व्यवस्था रामराज्य मानी गई। फिर भी ऐसे कौन लोग थे, जिनकी वजह से रामलला को उनकी जमीन से वंचित किया गया। विडंबना है कि स्वतंत्र भारत में 70 वर्षों तक कहना पड़ा कि अयोध्या धाम राम की जन्मभूमि है। यहां मंदिर बनना चाहिए। हमें प्रमाण और श्रीराम को खुद साक्ष्य जुटाना पड़ा। यह परिस्थिति उन लोगों ने पैदा की, जो राम मंदिर बनने से प्रसन्न नहीं हैं। आपने लल्लू सिंह को वोट दिया तो मोदी जी प्रधानमंत्री बने और सतीश शर्मा को वोट दिया तो मैं मुख्यमंत्री बना। आपकी वजह से रामभक्त सत्ता में आए तो रामलला विराजमान हुए। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या का अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट त्रिकालदर्शी महर्षि वाल्मीकि के नाम पर बना। गरीबों के लिए बने भोजनालय माता शबरी के नाम पर हैं। आश्रय स्थल निषादराज के नाम पर हैं। विकास के अनेक कार्य हुए। यहां एयरपोर्ट, भव्य रेलवे स्टेशन व फोरलेन-सिक्सलेन सड़के हैं। पहले माफिया हावी होते थे। अब उनका राम नाम सत्य हो रहा है। हमें रामराज्य की परिकल्पना को साकार करना है तो इसके लिए भारत को आत्मनिर्भर व विकसित बनाना है।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से चेन लूटकर भागे बदमाश

संवाददाता

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता) मोहनलालगंज कस्बे में आउटर रिंग रोड पर रविवार को मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला पर दो बदमाशों ने हमला कर दिया। गला दबाकर गिरा दिया और फिर सोने की चेन लूट कर बाइक से भाग निकले। पीछे आ रहे महिला के पति ने इलाकाई निवासी शख्स की बाइक से बदमाशों का करीब दो किमी तक पीछा किया, लेकिन आरोपियों को पकड़ने में नाकाम रहे।पूरनपुर गांव निवासी संजय कुमार गन्ना संस्थान में कार्यरत हैं। उनकी पत्नी गायत्री रविवार सुबह करीब 6~30 बजे वॉक पर निकली थीं। करीब दो सौ मीटर पीछे संजय भी थे। आउटर रिंग रोड पर दो बाइक सवार उनके आगे निकले और फिर यूटर्न लेकर लौटे। किसी का नाम लेकर पता पूछा। जैसे ही गायित्री ने कुछ बोलने का प्रयास किया वैसे ही पीछे बैठे बदमाश ने गला दबाकर उनको गिरा दिया और चेन लूट ली। जब तक संजय वहां पहुंचे तब बदमाश भाग निकले। इसी दौरान गांव निवासी एक शख्स बाइक से वहां से गुजर रहे थे। संजय ने उनकी बाइक से बदमाशों का पीछा करना शुरू किया। लेकिन, बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।संजय ने बताया कि उन्होंने घटना के बाद तीन-चार बार 112 नंबर डायल किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद वह मोहनलालगंज थाने पहुंचे। शिकायत कर तहरीर दी। कई घंटे बाद एफआईआर दर्ज की गई।संजय का आरोप है कि बदमाशों ने गायत्री का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया, लेकिन एफआईआर में हत्या के प्रयास की धारा नहीं लगाई गई है। एडीसीपी साउथ शशांक सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है, उसमें ऐसा कोई आरोप नहीं है। गला दबाने की बात सामने नहीं आई है। विवेचना जारी है। अगर ऐसा कुछ पाया जाता है तो धारा बढ़ा दी जाएगी।

रात के अंधेरें में युवक ने सोती हुई युवती के साथ किया छेड़छाड़

संवाददाता

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता) लखनऊ में परिजनों के साथ सो रही युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। रात में युवती के पास एक युवक पहुंचा और उसका मुंह दबा दिया। फिर शारीरिक छेड़छाड़ शुरू कर दी। युवती ने विरोध किया, युवक ने जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाने पर वह मौके से भाग निकला। मामला बिजनौर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। मामले की शिकायत पुलिस से की गई और मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने बताया कि उनकी लड़की घर वालों के साथ ही सो रही थी। रात करीब 11 बजकर 30 मिनट पर एक युवक अंधेरे का फायदा उठाकर युवती के पास पहुंच गया। उसने लड़की का मुंह दबा दिया और छेड़खानी करने लगा। इस बीच लड़की ने विरोध किया तो युवक ने उससे मारपीट शुरू कर दी। आवाज आने पर घर के लोग भी जाग गए। युवती के पिता और भाई जब उसके पास पहुंचे तो युवक धक्का देकर वहां से भागने लगा। भागते-भागते उसने धमकी भी दी कि अगर किसी को बताया तो जान से मार दूंगा। परिजनों ने युवक को पहचान लिया है और पुलिस को उसका नाम शिवा बताया है। बाद में पीड़िता ने पुलिस को नामजद तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

चार युवक बेतवा नदी में डूबे,दो के शव मिले

संवाददाता

जालौन , 14 मई (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश मेंजालौन जिले के कोटरा क्षेत्र में पिकनिक मनाने सला घाट पर गए चार युवक नहाते समय बेतवा नदी में डूब गए , जिनमें से दो युवकों के शव को बरामद कर लिया है जबकि दो अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जागेश्वर धाम स्थित सला घाट पर उरई कोतवाली क्षेत्र के बघौरा निवासी अनुभव बुंदेला, कनिष्क, शिवा और कोमिषय सोमवार शाम पिकनिक मनाने गये थे। गर्मी मिटाने के लिए सभी लोग नहाने लगे। इसी दौरान नहाते समय एक दोस्त का पैर पत्थर से फिसल गया, जिससे वह नदी में गिर गया, उसे बचाने के प्रयास में उसके तीनों दोस्त पहुंचे और वह भी नदी की धारा में आकर फंस गए और गहराई में चले जाने के कारण डूब गए। उन्होने बताया कि काफी देर होने के बाद जब चारों लड़के कहीं नजर नहीं आए और नदी किनारे लड़कों की गाड़ियां और कपड़े के साथ जूते चप्पल दिखाई दिए, तो वहां मौजूद लोगों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए आसपास के लोगों को सूचना दी, जो मौके पर पहुंचे और उन्हें खोजने का प्रयास किया, मगर कुछ भी पता न चलने पर इसके बारे में पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही कोटरा थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, साथ ही उन्होंने गोताखोरों को बुलाकर नदी के आसपास उन्हें खोजने का प्रयास किया, मगर रात अधिक हो जाने के कारण किसी भी युवक का पता नहीं चल सका, जिसके बाद पुलिस ने गाड़ी नंबर के आधार पर उन सभी के परिजनों के नंबर ट्रेस किया और उनके परिजनों को अवगत कराया, सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने कपड़े और गाड़ी की पहचान की। मंगलवार सुबह एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम ने कड़ी मशक्कत करने के बाद दो युवक के शव को बरामद कर लिया, जबकि दो की तलाश में गोताखोर लगे हैं, पुलिस ने जिन दो युवकों के शव को बरामद किया है उनके नाम कनिष्क, अनुभव है।

विश्वनाथ अकादमी स्कूल की प्रियांशी ने 96.4 प्रतिशत,अक्षत ने 92.8 प्रतिशत हासिल किये

संवाददाता

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता) आशियाना स्थित विश्वनाथ अकादमी स्कूल के बच्चों ने सीबीएसई 12 वीं में टॉप कर अपने शिक्षक और परिजनों का मान बढ़ाया। ह्यूमैनिटिज स्ट्रीम में जहां प्रियांशी ने 96.4 प्रतिशत नंबर लाया वहीं अक्षत श्रीवास्तव ने 92.8 प्रतिशत नंबर लाकर स्कू ल का नाम रौशन किया। प्रियांशी और अक्षत का मानना है कि आज के दौर में समाज में ह्यूमैनिटिज को पढना़ बेहद जरुरी है क्योंकि इससे हमलोग ज्यूडिशियरी सेक्टर के साथ-साथ सिविल सर्विसेज में जाकर अपना योगदान समाज को दे सकते हैं। अक्षत श्रीवास्तव ने बताया कि मैने ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम चुनी क्योंकि यह विषय से हमें मालूम चलता है कि कोई भी चीज हुई तो क्यों हुयी ? समाजशास्त्र जैसे विषयों को आज के दौर में पढना़ बेहद जरूरी हो गया है क्योंकि समाज अपने सिद्धांतों से दूर होता जा रहा है। आगे चलकर मुझे लॉ की पढ़ाई करनी है और ज्यूडिशियरी सेक्टर में जाना है,इसके अलावा ह्यूमैनिटीज के विषयों के साथ कम्प्यूटर लेकर मेरे लिए साइबर लॉ का रास्ता खुल गया है, जो की आज के दौर में बेहद महत्वपूर्ण है। मैं अपनी सफ लता का श्रेय अपने टीचर्स और माता पिता को दूंगा, जिन्होंने हर वक्त मुझे आगे बढ़ाया। मेरा मानना है की स्कूल की पढ़ाई के बाद जितनी भी देर पढ़े मन और दिल लगा कर विषय को समझते हुए पढ़े, ताकि पढ़ा हुआ हमेशा के लिए याद हो जाए। 96.4 प्रतिशत नंबर लाने वाली प्रियांशी ने बताया कि अपनी बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए मैंने हमेशा अनुशासन के साथ स्व- अध्ययन को अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका माना है और अपने जूनियर्स को भी यही सुझाव देती हूं। मुझे हमेशा से ही सिविल सर्विसेज और प्रशासन कैसे होता है इसके रुचि रही है, इसलिए मैं आगे चलकर सिविल सर्विसेज में जाना चाहती हूं। मुझे गर्व है कि मैं ह्यूमैनिटीज़ स्ट्रीम से हूं।

डीएवी कॉलेज कानपुर की शिक्षक संघ के आम चुनाव का परिणाम घोषित

संवाददाता

कानपुर नगर, 14 मई (नवसत्ता) डी.ए-वी.कॉलेज कानपुर की शिक्षक संघ के आम चुनाव में प्रोफेसर राजेश कुमार तिवारी विरल-हिन्दी विभाग को अध्यक्ष तथा डॉक्टर राजेंद्र सिंह-कामर्स विभाग के रूप में महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा चुना गया।

कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष कला संकाय-डॉ पूजा सिन्हा,उपाध्यक्ष विज्ञान संकाय -मोनिका अग्रवाल, उपाध्यक्ष वाणिज्य संकाय-राघवेन्द्र कुमार अग्निहोत्री तथा संयुक्त मंत्री के रूप में क्रमशः डॉ विशाल कुमार श्रीवास्तव,डॉ सौम्या सक्सेना, डॉ ऋषभ सक्सेना, कार्यकारिणी सदस्य डॉ सीमा कुमारी,डॉअनुपमा सिंह, डॉ नरेंद्र कुमार, डॉ सुरेन्द्र कुमार, डॉ अमित गुप्ता डॉ रवि कुमार चुने गए। एआईफुक्टो के मंत्री तथा कूटा संरक्षक प्रोफेसर विवेक द्विवेदी तथा कूटा अध्यक्ष प्रोफेसर बी डी पाण्डेय ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण करायी तथा महाविद्यालय इकाई को कूटा की मान्यता प्रदान करने का प्रमाण पत्र दिया।

मुख्य चुनाव अधिकारी प्रोफेसर अवधेश सिंह, प्रोफेसर मनोज जौहरी,प्रोफेसर रामप्रकाश ने चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करायी,इस अवसर पर प्रेक्षक के रूप में कूटा उपाध्यक्ष डॉ यतींद्र सिंह रहे। इस पूरी चुनाव प्रक्रिया में प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव प्रोफेसर सुनीत अवस्थी प्रोफेसर सुधीर श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

एक मार्च से अब तक 41935.49 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नकदी जब्त

संवाददाता

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता) प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेन्सियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती संबंधी आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 01 मार्च से 13 मई, 2024 तक कुल 41935.49 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नकदी आदि जब्त किये गये।

इसमें 3389.28 लाख रुपये नकद धनराशि, 5233.94 लाख रुपये कीमत की शराब, 23247.10 लाख रुपये कीमत की ड्रग, 2289.87 लाख रुपये कीमत की बहुमूल्य धातुएं, 5019.52 लाख रुपये कीमत के मुफ्त उपहार एवं आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 13 मई, 2024 को कुल 169.38 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग व नगदी आदि जब्त की गई। इसमें 7.05 लाख रुपये नकद धनराशि, 36.40 लाख रुपये कीमत की 14201.49 लीटर शराब, 42.60 लाख रुपये कीमत की 106513 ग्राम ड्रग, 83.29 लाख रुपये कीमत के 61054 मुफ्त उपहार एवं 0.04 लाख रुपये कीमत की 4 अन्य सामग्री जब्त की गयी।

पूर्वजों की स्मृति किया गया ज्ञानदान उन्हें सच्ची श्रद्धांजली है : उमानंद शर्मा

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता) गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय, गोयल कैम्पस, अयोध्या रोड़ लखनऊ'' के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 410वाँ ऋषि वांड़मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रीय कार्यकत्री श्रीमती सावित्री एवं उनकी पुत्रियों सुश्री गीता शर्मा, पार्वती शर्मा, नीलम शर्मा, स्वाती शर्मा एवं चाँदनी शर्मा ने स्व. रवि कुमार उपाध्याय की स्मृति में भेंट किया। इस अवसर पर वाड्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि पूर्वजों की स्मृति में किया गया ज्ञानदान उन्हें सच्ची श्रद्धांजली है''।

कांग्रेस के लोगों ने अधिवक्ताओं में बांटा न्याय पत्र

बस्ती, 14 मई (नवसत्ता) बस्ती जिले में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सोमवार को अधिवक्ताओं के बीच पहुंचकर जनसंपर्क किया और पार्टी का न्याय पत्र बांटा। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय की अगुवाई में पार्टी के लोग शास्त्री चौक पर इकट्ठा हुये।यहां से अलग अलग समूहों में निकले पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अधिवक्ताओं को न्याय पत्र देकर उनका समर्थन मांगा। इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी के लिये वोट अपील करते हुये जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा कांग्रेस की 5 गारण्टियां जनता तक पहुंच चुकी हैं।इण्डिया गठबंधन की सरकार बनते ही सभी गारण्टियां प्राथमिकता के आधार पर लागू होंगी।

भारतीय रेल

आज़ादी का अमृत महोत्सव

''सार्वजनिक सूचना''

रेलवे एवं परिसरो के सभी उपभोक्ताओ को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि रेलवे के निम्नलिखित खंड पर 25000 वोल्ट, 50 हर्टज ए. सी. सिरोपरि कर्षण तारो को खंड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद में ऊर्जित किया जाएगा। उस तारीख को और उस तारीख से सिरोपरि कर्षण लाइन को सभी समय हमेशा के लिए विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उस सिरोपरि लाइन के समीप दाखिल होने या काम करने नहीं जाएगा ।

सेक्शन (खण्ड)	मण्डल (डिवीजन)	दिनांक
लखनऊ मण्डल, उत्तर रेलवे के भदैयां रेलवे स्टेशन पर लंबे लूप लाइन का विद्युतीकरण शिरोपरि कर्षण तारों की लोकेशनसं. Km 900/29 (Ch 900/747.50) से Km 902/3A (Ch 902/3) तक सम्बंधित टर्न आउट एवं क्रॉस ओवर के साथ किया जायेगा।	लखनऊ	15.05.2024

भारतीय रेल

25 के वी ट्रैक्शन लाइन का आरंभ

सड़क ''उपयोगकर्ताओं हेतु अधिसूचना''

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रेल खंड **"लखनऊ मण्डल, उत्तर रेलवे के भदैयां रेलवे स्टेशन पर लंबे लूप लाइन का विद्युतीकरण शिरोपरि कर्षण तारों की लोकेशनसं.** 900/29 (Ch 900/747.50) से Km 902/3A (Ch 902/3) **तक सम्बंधित टर्न आउट एवं क्रॉस ओवर के साथ"** पर 25 केवी विद्युत ट्रैकशन का सुभारंभ किया जाएगा। सभी समपार फाटक हाइट गेज़ का निर्माण सड़क की सतह से स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई **4.78** मीटर पर अत्यधिक ऊंचाई भारो को ट्रैक्शन लाइन (कांटेक्ट तार) **जो की समपार फाटक पर रेल लेवल से 5.5 मीटर न्यूनतम ऊंचाई पर हो,** के खतरनाक संपर्क में आने से बचाव के उद्देश्य से किया गया है।

"एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारित वाहनों के लिए उपर्युक्त निर्धारित ऊंचाई का अवलोकन करें तथा यह भी ध्यान रखें कि सड़क वाहनों में लदा हुआ भार हाइट गेज में किसी भी परिस्थिति में न टकराए।

अधिक ऊँचे भार से निम्न खतरे है:

1. हाइट गेज को नुकसान और तत्पश्चात सड़क व रेल लाइन का अवरोध।
2. स्वयं वाहन अथवा ले जाये जाने वाले सामान अथवा उपकरण को ख़तरा।
3. बिजली के तारों से संपर्क अथवा खतरनाक समीपता के कारण आग फैलने व जान माल को ख़तरा।

No: 74-W/Elect./C/Dy.CEE/LKO/Warning Date: - 13.05.2024

उप. मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
लखनऊ

1440/24 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

युवाओं के भविष्य के साथ धोखा है अग्निवीर योजना

हम सत्ता में आए तो बनाएंगे लखनऊ में आईटी सिटी

बीएसपी उम्मीदवार सर्वर नईम का साक्षात्कार

गौरव जायसवाल

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता) लोकसभा चुनाव के दौरान लखनऊ सीट पर बीएसपी से अपनी दावेदारी ठोक रहे सर्वर नईम ने बताया कि पिछले 10 सालों में राजनाथ सिंह के द्वारा अभी तक कोई भी सरकारी अस्पताल नहीं बना है। लखनऊ में कोरोना के बाद से लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सचेत रहने लगे हैं। जनता की उस ज़रूरत को ध्यान में रखते हुए मोहल्ला क्लीनिक भी खुलने चाहिए थे, जो कि नहीं खुले हैं। और अस्पतालों की जो संख्या है वह शहर की आबादी के हिसाब से बहुत ही कम है। दूसरी समस्या अस्पतालों में वेंटीलेटर के बिना मरीज को इलाज कराना पड़ता है। वेंटीलेटरों की भी काफी कमी है। सरकारी अस्पतालों में ना के बराबर वेंटीलेटर होने से मरीज को प्राइवेट अस्पतालों की तरह भागना पड़ता है। जिससे उनको पैसा उधार लेकर भी अपने इसका इलाज कराना पड़ता है। नया मेडिकल कॉलेज भी 10 सालों में खुलना चाहिए था, जो कि नहीं खुला है जिससे लखनऊ जिले के आसपास के आबादी से आने वाले मरीज अपना इलाज करा सकते हैं। अभी मेडिकल कॉलेज और पी जी आई पर इतने मरीजों की संख्या रहती है कि वहां बेड मिलना भी मुश्किल हो जाता है। लखनऊ की मुख्य समस्या को बताते हुए सरवर नईम ने बताया कि लखनऊ की बढ़ती हुई आबादी जाम,बिजली,साफ पानी, निःशुल्क ईलाज जनता को मुहैया कराना है। अग्निवीर योजना पर उन्होंने कहा कि यह देश के युवाओं के लिए परेशानी की बात है कि बच्चा चार साल नौकरी करके रिटायर हो जाएगा। यह देश के युवाओं के साथ अन्याय है। अगर हम सरकार में आएंगे तो ऐसी योजनाओं को बंद करके युवाओं को निश्चित रोजगार दिया जाएगा।

आईटी हब बने लखनऊ

शहर के बच्चों के साथ-साथ शहर से जुड़े जिलों के बच्चों को भी लखनऊ शहर में आईटी सेक्टर में अच्छी कंपनियां ना होने की वजह से बेंगलुरु और दक्षिण भारत की तरफ पलायन करना पड़ता है। जबकि लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है। यहां पर आईटी सिटी डेवलप की जा सकती है। जिससे यहां के बच्चों को यहीं पर जॉब मिल सके। हम अगर सत्ता में आते हैं तो लखनऊ में आईटी सिटी आईटी हब बनाएंगे। जिससे यहां के बच्चों को बाहर जाकर नौकरी ना ढूंढना पड़े द्य।

राजनीतिक कैरियर

यूं तो सर्वर नईम समाज सेवा तो काफी समय से कर रहे हैं पर राजनीतिक कैरियर 2014 से शुरू हुआ। लोकसभा चुनाव 2014 में तृणमूल कांग्रेस से लखनऊ से लोकसभा चुनाव लड़ा था। 2022 में विधानसभा चुनाव उत्तर लखनऊ सीट से विधायक का चुनाव लड़ा। और उनकी धर्म पत्नी शाहीन बानो ने 2023 में बसपा के टिकट पर ने लखनऊ शहर से मेयर का चुनाव लड़ा है।

क्या है लखनऊ का जातीय समीकरण

लखनऊ लोकसभा के अंतर्गत अगर वोटरों की बात करें तो यहां कुल मतदाताओं की संख्या करीब 36 लाख से ज्यादा है। 2011 की जनगणना के मुताबिक, लखनऊ जिले की आबादी 45.89 लाख है जिनमे पुरुषों की आबादी 23.94 लाख और महिलाओं की आबादी 21.95 लाख है 2011 की जनगणना के अनुसार लखनऊ की कुल आबादी की 71.1 प्रतिशत जनसंख्या हिन्दुओं की है। इसके बाद 26.36 प्रतिशत मुस्लिम हैं। इसके बाद बाकी अन्य हैं। अनुसूचित जाति की आबादी 14.3त्न हैं तो अनुसूचित जनजाति की 0.2त्न। इसी तरह ब्राह्मण, राजपूत वोटर भी मिलकर करीब 18 प्रतिशत हैं। ओबीसी मतदाता 28 फीसदी और मुस्लिम मतदाता करीब 18 फ़ीसदी हैं।

क्या हैं स्थानीय मुद्दे

वैसे तो लोकसभा चुनाव देश के मुद्दे पर लड़ा जाता है, लेकिन स्थानीय मुद्दों का भी महत्व होता है। 2014 और 2019 का चुनाव विकास के मुद्दे पर लड़ा गया था, लेकिन लखनऊ का मुद्दा था रोजाना का लगने वाला जाम, सुरक्षा, सड़क, बिजली पानी, अनियमित कॉलोनियों का नियमितीकरण आदि प्रमुख हैं

सम्पादकीय

मुद्दों से भटकाव लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह

हमारे देश में हो रहे लोकसभा चुनाव में मुद्दे मर चुके हैं और वे अनर्गल प्रलापों के राजनीतिक कब्रिस्तान में दफन हो चुके हैं। अभद्रता हावी हो चुकी है। लड़ाई उच्च नैतिक आधार से शुरू हुई थी। वह लड़ाई 2047 में विकसित भारत बनाने और सभी के लिए न्याय के बीच थी। कई दिनों तक मुद्दे शासन में सक्षम सरकार चुनने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को तबाह करने वाली पार्टी को हराने के इर्द-गिर्द घूम रहे थे।

भाजपा और प्रधानमंत्री ने अपने अभियान का प्रारंभ विकास के अस्त्र के साथ किया था। भगवा खेमे के नेता हर दिन 35 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने, सौ नये हवाई अड्डे बनाने, आतंकी हमले और सांप्रदायिक दंगे रोकने रिकॉर्ड वृद्धि दर हासिल करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के बढ़ते महत्व जैसी एक दशक की सरकार की उपलब्धियों का प्रचार कर रहे थे। 'मोदी की गारंटी' का स्वर्णिम संकल्प एक ऐसे नेता पर विश्वास का आह्वान था, जिसने वादों से कहीं अधिक काम कर दिखाया है। विपक्षी पार्टियां अतीत के अपने कार्यों तथा भविष्य के वादों तक सीमित थीं। जब मोदी ने भारत की समस्याओं के लिए गांधी परिवार को दोषी ठहराया, तो कांग्रेस ने इस पर जोर दिया कि लोकतांत्रिक एवं औद्योगिक भारत की नींव उसके संस्थापकों द्वारा रखी गयी थी। यहां तक तो सब ठीक था, पर जल्दी ही परिदृश्य बदल गया। नेताओं का ध्यान व्यापक परिप्रेक्ष्य से हट गया और वे मामूली मसलों पर झगड़ने लगे। चुनाव दो नकारात्मक आख्यानों के झंझट में बदल गया। आधी सीटों पर मतदान होने तक राजनीतिक प्रतिस्पर्धियों के बीच का माहौल विषाक्त हो गया। नेता समर्थक और प्रायोजित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जातिगत एवं सांप्रदायिक बातों को उठाकर बेशर्मी से प्रचार अभियान को गर्त में ले जाने लगे। यह चुनाव अब व्यक्तिगत झगड़ा बन गया है। अल्पसंख्यक, मंगलसूत्र और मंदिर राजनीतिक सलीब के घाव बन चुके हैं। चुनाव आक्रामक मोदी और प्रयासरत राहुल के बीच की लड़ाई बन गयी है।

लोकतंत्र के असली चौकीदार भारत के लोग हैं। हर पांच साल बाद लोग बड़े घरों, फ्लैटों, गांवों, झुग्गियों आदि से भारी तादाद में निकलते हैं और शासक वर्गों के भाग्य का निर्धारण करते हैं। यह एक ऐसी सेना है, जो सरकार बना और हटा सकती है। भारत के लोग मतदान के दिन को सशक्तीकरण के दिन के रूप में देखते हैं, न कि सत्ता हड़पने के दिन के तौर पर। वे स्वच्छ वाणी और स्वच्छ शासन की अपेक्षा रखते हैं।

इस प्रक्रिया में मोदी ने राहुल और कांग्रेस को अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के तौर पर परिभाषित किया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस शहजादा रफाल मुद्दे के नाकाम होने के बाद पांच उद्योगपतियों का नाम ले रहे थे और फिर वे अंबानी अदानी कहने लगे, लेकिन चुनाव की घोषणा के बाद उन्होंने ये दो नाम लेना भी बंद कर दिया है। मोदी ने आगे पूछा कि अंबानी और अदानी से कितने पैसे मिले हैं कि अब उनका नाम नहीं लिया जा रहा है। दाल में कुछ काला होने के मोदी के इस भाषण से उनके कट्टर समर्थकों को भी अचरज हुआ। लेकिन मोदी ने यह बात तेलंगाना में इसलिए कही क्योंकि हाल में वहां की कांग्रेस सरकार ने 12,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए अदानी समूह से करार किया है।

भाजपा के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह ने यह स्पष्ट किया है कि यह चुनाव मोदी और राहुल के बीच है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा है कि मतदाताओं को मोदी की 'भारतीय गारंटी' और राहुल की 'चीनी गारंटी' में से चुनाव करना है। शाह कट्टर भगवा गद्य का इस्तेमाल कर हिंदुत्व-आधारित विचारधारात्मक अभियान के लिए माहौल बना रहे हैं। वे भले तेलंगाना में बोल रहे थे, पर उनका संदेश देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए था।

उन्होंने कांग्रेस, बीआरएस और एआइएमआइएम को 'तुष्टिकरण की तिकड़ी' बताते हुए कहा कि ये लोग तेलंगाना को शरिया और कुरान के आधार पर चलाना चाहते हैं। हैदराबाद में प्रचार करते हुए अभी-अभी भाजपा में आयीं महाराष्ट्र से सांसद नवनीत राणा ने 2013 में अकबरूद्दीन ओवैसी के एक भाषण का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पंद्रह मिनट के लिए पुलिस हटा लो, हम दिखा देंगे कि हम क्या कर सकते हैं। राणा ने कहा कि उनको तो पंद्रह मिनट लगेंगे, हमें तो बस पंद्रह सेकेंड लगेंगे।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा प्रत्याशी माधवी लता हैदराबाद को पाकिस्तान नहीं बनने देंगी तथा कांग्रेस या एआइएमआइएम को वोट देना पाकिस्तान को वोट देना है। प्रमुख भाजपा नेता धार्मिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए 'अबकी बार, 400 पार' के प्रधानमंत्री के नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो मोदी का मूल उद्देश्य नहीं था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने ओडिशा में कहा कि 400 सीटें इसलिए चाहिए कि बाबरी मस्जिद दुबारा न बन सके तथा हम देश के हर मंदिर को मुक्त करायेंगे।

विपक्ष भी हमलावर है। शिव सेना (उद्धव ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने मोदी की तुलना औरंगजेब से की और प्रधानमंत्री के लिए वैसी ही परिणति की भविष्यवाणी की। राजनीति और एजेंसियों के दबाव से घिरीं ममता बनर्जी ने भाजपा नेताओं को 'लुटेरा' बताया, जो पश्चिम बंगाल को तबाह करना चाहते हैं। उन्होंने मोदी को 'इंसान-हत्या का सौदागर' कहा।

प्रियंका और राहुल गांधी भी सोशल मीडिया चुटकुलों और मंचों के निरर्थक बातों से मोदी का मजाक उड़ाने में बहुत पीछे नहीं हैं। क्या हमारे वाचाल नेता यह भूल गये हैं कि अनुचित बयानों और तरीकों से चुनाव नहीं जीते जाते? मोदी ने 2014 में भ्रष्टाचार विरोध के मुद्दे पर जीत हासिल की थी। राहुल गांधी के गढ़े नारे 'चौकीदार चोर है' के बावजूद 2019 में उन्हें बड़ा जनादेश मिला। लोकतंत्र के असली चौकीदार भारत के लोग हैं। हर पांच साल बाद लोग बड़े घरों, फ्लैटों, गांवों, झुग्गियों आदि से भारी तादाद में निकलते हैं और शासक वर्गों के भाग्य का निर्धारण करते हैं। यह एक ऐसी सेना है, जो सरकार बना और हटा सकती है। भारत के लोग मतदान के दिन को सशक्तीकरण के दिन के रूप में देखते हैं, न कि सत्ता हड़पने के दिन के तौर पर। वे स्वच्छ वाणी और स्वच्छ शासन की अपेक्षा रखते हैं।

अपनी बात

छीन लो अपना अधिकार

सरकार ने दिया है महगाई और भ्रष्टाचार,
गरीब जनता के दुख दर्द का किया नहीं कभी विचार ।
यह कैसा प्रजातंत्र है जिसमें
जनता की परवाह नहीं
मजबूर है कोई आत्म दाह को मगर इन्हें कुछ खबर नहीं।
इस सरकार ने दिया है ...
विकसित कह देने से क्या
हम विकसित हो जाएंगे
उनकी आंखों की बेबसी
खुद हाल अपना सुनाएंगे।
सरकार ने दिया है महंगाई भ्रष्टाचार
क्या मंदिर बनवाने से ही
क्षुदा की ज्वाला शांत हो जाएगी सुखे इन अधरो पर
क्या मुस्कान छा जाएगी।
सरकार ने दिया है महंगाई ..

फिर क्यों हम भाग रहे है
इस दुनिया की रफ्तार में
क्यों नहीं सवारते है जिंदगी
जो खड़े हैं बीच मझधार में।
सरकार ने दिया है .....
आंखों में है आंसू
और सर पर बांधे हैं कफन
उनकी विवशता को देखकर
रूह भी हैं कांपते।
सरकार ने दिया है महंगाई.....
उखाड़ फेको उस सत्ता को
जिसने महगाई की लौ जलाई है
गरीब जनता के हक छीन कर
आशियाना अपना बनाई है
सरकार ने दिया है.....
मिटा दो ऐसे लोगों को जो
मजहब के नाम पर है बांट रहे जाति धर्म की आड़ में
अपना शासन है चला रहे ।
सरकार ने दिया है .....
आवाज उठाओ हक के खातिर
करो क्रांति का आगाज
मांगने से नहीं मिलता है तो
छीन लो अपना अधिकार
सरकार ने दिया है.....
बेबसी और गरीबी को
बनाओ अपना हथियार
आत्मदाह नहीं अपने
हक के खातिर करो प्रहार।
सरकार ने दिया है .....
क्यों भूल जाते हैं कि
ये पारी फिर आनी है
जनता की चौखट पर माथा
टेक कर ही जानी है
सरकार ने दिया है महंगाई भ्रष्टाचार

-डा. सोनी कुमारी

मुद्दा

राष्ट्रीय सुरक्षा पर बेतुकी बयानबाजी

डा. ओ.पी. त्रिपाठी

राष्ट्रीय सुरक्षा से बड़ा कोई मुद्दा हो ही नहीं सकता। इस मुद्दे के सामने बाकी सारे मुद्दे गौण हो जाते हैं। असल में राष्ट्र है तो हमारा भी अस्तित्व है। राष्ट्र के बिना हमारी क्या बिसात और अहमियत। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अति गंभीर महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दे पर जब कोई भी बेतुकी टिप्पणी या बयानबाजी की जाती है तो देशवासियों को अंदर तक चोट पहुंचती है। लोगों में इस बात का दर्द होता है कि वो कौन लोग हैं जो इस तरह की बेतुकी बयानबाजी राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे पर करते हैं। उनकी आस्थाएं विश्वास और वफादारी किसके लिए है। कम से कम अपने देश के लिए तो नहीं है।

जिस देश की मिट्टी मे वो पैदा हुए जिसके जल और जीवन से उनका जीवन चल रहा है वो उसके प्रति वफादार न होकर देश के दुश्मनों के साथ खड़े दिखाई देते हैं। ऐसे तमाम प्रकरण है जब अपनी राजनीति चमकाने और सरकार पर हमला करने की नीयत से विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़े प्रश्न पर बेतुकी बयानबाजी करता है। जिसकी कड़े शब्दों में निंदा और भर्त्सना करनी चाहिए।

जम्म-कश्मीर के पुंछ इलाके में बीती 4 मई को आतंकियों ने वायुसेना के काफिले पर हमला किया था जिसमें एक जवान ने शहादत दी और चार घायल अब भी उपचाराधीन हैं। इस हमले को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने भाजपा की चुनावी स्टंटबाजी करार दिया। इससे बड़ी नालायकी और संवेदनहीनता क्या हो सकती है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सेनाओं के सम्मान की अनिवार्यता का भी उल्लंघन है कि एक सरहदी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने ऐसा बयान दिया है। पुंछ के घने, गहरे जंगलात इलाकों में सेना और सुरक्षा बलों का ऑपरेशन अब भी जारी है आतंकियों के दो स्केच जारी कर 20 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है और आश्चर्य है कि इस कवायद को स्टंटबाजी करार दिया गया है। कांग्रेस नेताओं को सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई आक्रमण भी फर्जी और स्टंट लगे थे। वे लगातार सरकार से सवाल पूछते रहे और व्याख्याएं करते रहे कि आतंकी अड्डे नेस्तनाबूद नहीं हुए बल्कि हमलों की चपेट में कुछ पक्षी आ गए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा पर इतना खोखलापन और सियासी विरोध वाकई चिंतित करता है, क्योंकि ऐसी टिप्पणियां करना हमारे जांबाज सैनिकों के शौर्य और शहादतों का भी अपमान है। जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में ही दूसरा बयान फारूक अब्दुल्ला का है। वह कई सालों तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बीती 17वीं लोकसभा में भी सांसद थे। भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। इसके बावजूद फारूक का पाक परस्त और चीन समर्थक रवैया कोई नई बात नहीं है।

राष्ट्रीय सुरक्षा से आशय किसी राष्ट्र राज्य की सरकार की अपने नागरिकों अर्थव्यवस्था और अन्य संस्थानों की सुरक्षा करने की क्षमता से है। इक्कीसवीं सदी में राष्ट्रीय सुरक्षा सिर्फ सैन्य हमलों के खिलाफ स्पष्ट सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है बल्कि आज तो राष्ट्रीय सुरक्षा में कई गैर-सैन्य मिशन भी शामिल हैं। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा के इन गैर-सैन्य मिशनों की बात की जाए तो इसके अंतर्गत आर्थिक सुरक्षा राजनीतिक सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा मातृभूमि सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, मानव सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा जैसे विषय शामिल हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा की सुनिश्चितता हेतु सरकारें कूटनीति के साथ-साथ राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति आदि रणनीतियों पर अमल करती हैं।

एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति या नीति देश के नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं और सुरक्षा चिंताओं को पूरा करने और देश के लिए बाहरी और आंतरिक खतरों को दूर करने के लिए देश के लिए एक महत्वपूर्ण ढांचा है। भारतीय राज्य के पास एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अभाव है जो देश की सुरक्षा के लिए चुनौतियों का व्यापक आकलन करती हो और उनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नीतियां बनाती हो। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की अध्यक्षता में एक शीर्ष स्तरीय रक्षा योजना समिति की स्थापना वर्ष 2018 में की गई थी, जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति तैयार करनी थी लेकिन अब तक इस पर कोई प्रगति नहीं हो पाई है।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाक अधिकृत कश्मीर, पीओके के संदर्भ में बयान दिया था, जिस पर फारूक अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी कि उन्होंने भी चूड़ियां नहीं पहन रखीं। उनके पास भी एटम बम है और वह बम हम पर ही गिरेगा। फारूक ने भारत की सामरिक ताकत को खौफजदा करने की कोशिश की है। एक बार फिर उन्होंने पाकिस्तान की भाषा बोली है। हालांकि वह सीमापार आतंकवाद के अंजामों को बखूबी जानते हैं। उन्हें 1999 का कारगिल युद्ध याद होगा। चलो 1965 और 1971 के युद्धों को लंबा अतीत मान लेते हैं, लेकिन पाकिस्तान को सब कुछ याद है। दुनिया ने यह भी देखा है कि युद्ध के नाम पर वहां की नेशनल असेंबली संसद में नेताओं के हाथ-पांव किस तरह कांपने लगते हैं।

जिस देश के पास खाने को रोटी नसीब नहीं है, विदेशों के कर्ज पर जिंदा है, वह एटम बम कैसे चलाएगा बहरहाल कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार की हुकूमत के तीन दशकों के दौरान आतंकवाद और अलगाववाद कितना फला-फूला था, यह देश अच्छी तरह जानता है। उनकी स्मृतियां भी शेष हैं। कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार किए गए थे, हत्याएं की गई थीं अंततः वे कश्मीर छोड़ने को विवश हुए। उसकी बुनियाद भी फारूक सरकार के दौरान रख दी गई थी। राज्य में उस दौर में 70,000 से अधिक आतंकी घटनाएं हुईं और 35,000 से अधिक कश्मीरी जवान मार दिए गए। ऐसा राजनेता आज पाकिस्तान की चूड़ियों और एटम बम की परोक्ष धमकी हमें दे रहा है! आज हमें नया कश्मीर दिखाई दे रहा है। कश्मीर में रात 11 बजे भी लाल चौक के पास घूम सकते हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 2 करोड़ से अधिक पर्यटक पृथ्वी का जन्नत देखने आए हैं।

आतंकवाद के छाया पैरोकार रहे नेता बार-बार हमारे शहीदों और सैनिकों को अपमानित क्यों करते हैं। ऐसी ही हरकत मुंबई में कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने की है। उन्होंने एक किताब के हवाले से बयान दिया है कि 26-11 आतंकी हमले के दौरान पुलिस के जांबाज अफसर हेमंत करकरे को आतंकवादी कसाब की गोली नहीं लगी थी, बल्कि वह आरएसएस समर्थक पुलिस अधिकारी की बंदूक से निकली गोली से शहीद हुए थे। इस निरर्थक बयान पर शशि थरूर जैसे बौद्धिक सांसद ने जांच की मांग की है।

राजनीति

अरविंद केजरीवाल के ताबड़तोड़ सियासी हमलों के मायने

कमलेश पांडे

आम चुनाव 2024 के नाम पर सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत के बाद तिहाड़ जेल से बाहर निकले आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के हित चुनावी विसात बिछानी शुरू कर दी। इसी क्रम में उन्होंने भाजपा पर ताबड़तोड़ हमले किए, जिससे उनके पुराने तल्ख तेवर हर किसी के जेहन में जिंदा हो गए। दरअसल, पहले दिल्ली, फिर पंजाब से कांग्रेस के पांव उखाड़ने के बाद एमसीडी, दिल्ली में भाजपा की जड़ें खोदने वाले अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पुराने सियासी अंदाज में आ चुके हैं, जिसके गहरे सियासी मायने हैं।

पहला, अगला पीएम कौन होगा इस पर संशय खड़ा करके खुद भी रेस में बने रहने का मंसूबा पाले हुए हैं क्योंकि इंडिया गठबंधन में इस बात पर फैसला 4 जून को चुनाव परिणाम आने के बाद ही होगा। उनकी सोच है कि कांग्रेस यदि सम्मानजनक सीट नहीं जीत पाई तो गठबंधन साथियों की लॉटरी लग जाएगी और फिर किसका नाम पीएम पद के लिए उछलेगा, पहले बताना बेईमानी होगी।

इसलिए अरविंद केजरीवाल का यह कहना कि यदि पीएम नरेंद्र मोदी जीते तो अगले वर्ष वह रिटायर हो जाएंगे, फिर शाह को पीएम बनाएंगे एक ऐसा रणनीतिक हमला है, जिसके बाद भाजपा के अंध भक्त भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। कारण कि एक तो अमित शाह अल्पसंख्यक जैन समुदाय से आते हैं जिसका कोई जातीय जनाधार नहीं है और दूसरे यह कि उनसे ज्यादा सीनियर और योग्य लोग पार्टी में भरे पड़े हैं। भले ही पीएम मोदी से निकटता के चलते उन्हें प्रोमोट किया गया लेकिन उनका सियासी वर्चस्व समाप्त होते ही गृहमंत्री अमित शाह भी फिर सियासी हाशिये पर धकेल दिए जाएंगे।

कुछ यही समझकर तंज कसते हुए अरविंद केजरीवाल ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि भाजपा इंडिया से पूछती है कि आप का प्रधानमंत्री कौन होगा। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं आपका प्रधानमंत्री कौन होगा? क्योंकि नरेंद्र मोदी अगले वर्ष 17 दिसम्बर को 75 साल के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि खुद मोदी ने भाजपा में 75 साल के बाद सेवानिवृत्ति का नियम बनाया है, जिसके तहत लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी को रिटायर्ड किया गया। उस हिसाब से वह भी अगले साल रिटायर होंगे। उसके बाद अमित शाह को पीएम बनाएंगे।

दूसरा, एक देश, एक नेता के चुनाव के अपने खतरे हैं। इससे बचने के लिए ही केजरीवाल इस बात को पब्लिक डोमेन में डाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि भाजपा वन नेशन वन लीडर मिशन पर काम कर रही है जो दो स्तर पर चल रहा है। पहला विपक्षी नेताओं को जेल में डाल देंगे। जैसे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जेल में डाला। वहीं, अबकी बार जीते तो बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जेल में भेजकर विपक्ष खत्म कर देंगे। दूसरा, भाजपा नेताओं की राजनीति खत्म करना उनका मुख्य मकसद है। इस बार भाजपा जीती तो यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दो माह में हटा देंगे। अगर भाजपा जीती तो वह विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में डाल देगी। इसलिए उससे सावधान रहने की जरूरत है।

तीसरा, देश में जारी तानाशाही के विरुद्ध अरविंद केजरीवाल एक मुखर आवाज बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं इसलिए मुझे अब देश के 140 करोड़ लोगों का साथ चाहिए। क्योंकि आप एक छोटी पार्टी है, जिसकी दो राज्यों में सरकार है। 10 वर्ष पुरानी इस पार्टी को भाजपा ने खत्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक साथ हमारे चार बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया। मगर आप एक सोच है, जिसे जितना खत्म करने की कोशिश करेंगे, यह उतना ही बढ़ेगी। केजरीवाल ने आगे कहा कि भाजपा को सिर्फ आप से खतरा है, इसलिए उसके नेता हमें कुचलना चाहते हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि अगर काम करोगे तो कोई खतरा नहीं है, लेकिन उन्हें काम करने के बजाय काम करने वालों को खत्म करना है। आप के साथ उन्होंने जो किया वह जनतंत्र नहीं है।

चतुर्थ, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी तत्पर है। इसलिए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र में अगली सरकार विपक्षी गठबंधन इंडिया की बनेगी और आम आदमी पार्टी केंद्र में सरकार का हिस्सा होगी। तब दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा कि मुझे पद का लालच नहीं है। एक बार मैंने 49 दिन में ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन अब मैंने इसलिए इस्तीफा नहीं दिया, क्योंकि भाजपा हमारी सरकार गिराना चाहती थी, इस कारण मैंने जेल में रहकर सरकार चलाई।

पांचवां, भय, भूख, भ्रष्टाचार मिटाने का वादा करने वाली भाजपा अब उसी का पर्याय बन चुकी है जिससे लोगों में जनाक्रोश व्याप्त है। अरविंद केजरीवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि सारे भ्रष्टाचारी भाजपा में हैं, क्योंकि जिन पर आरोप लगाया जाता है, उन्हें भाजपा में शामिल करा लिया जाता है। फिर ईडी और सीबीआई से उनके केस खत्म करा दिए जाते हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि मुझे लगता है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। क्योंकि भाजपा का लक्ष्य केवल विपक्षी नेताओं को जेल में डालना है। जब वो हमें हरा नहीं पाए तो हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा कि केजरीवाल को जेल भेजो, सरकार गिर जाएगी।

चिंतन

शेयर बाजार में मौजूदा हलचल के मायने

पुनीत सिंह

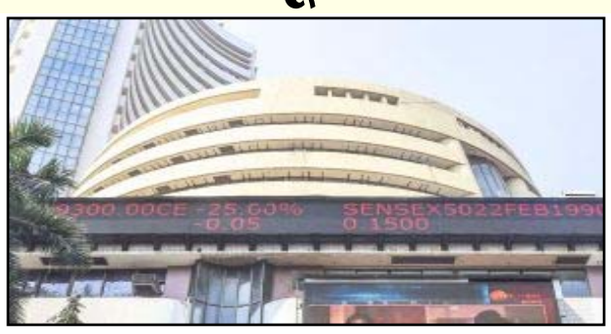

बीते शुक्रवार को कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन निफ्टी 50 और बैंक निफ्टी के प्रदर्शन ने निराशाजनक हफ्ते का संकेत दिया। करीब दो महीने में शेयर बाजार का यह सबसे खराब हफ्ता रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसइ) का वोलाटिलिटी इंडेक्स 11 सत्रों से लगातार बढ़ता जा रहा है। अप्रैल में यह कम रहा था, पर अब आशंका उच्च स्तर पर है।

यह इंडेक्स निफ्टी 50 सूचकांक के शेयर मूल्यों के अग्रिम अनुमान के आधार पर अगले 30 दिनों में बाजार के उतार-चढ़ाव का आकलन करता है। एनएसई ने फरवरी 2014 में इंडिया वोलाटिलिटी इंडेक्स के आधार पर अग्रिम अनुबंधों का कारोबार करना शुरू किया था। वोलाटिलिटी इंडेक्स और निफ्टी 50 इंडेक्स नकारात्मक तरीके से एक-दूसरे से संबद्ध हैं। इसका अर्थ है कि आम तौर पर ये दोनों विपरीत दिशा में जाते हैं।

जब निफ्टी 50 सूचकांक बढ़ता है, तो सामान्य रूप से वोलाटिलिटी इंडेक्स नीचे का रुख करता है। जब वोलाटिलिटी इंडेक्स नीचे जाता है, तो शेयर बाजार में तेजी का माहौल देखने को मिलता है। अभी इंडिया वोलाटिलिटी इंडेक्स 19 के ऊपर है, तो यह माना जा रहा है कि इस सप्ताह भी स्टॉक मार्केट में उथल-पुथल रहेगी, हालांकि सोमवार को बहुत मामूली सुधार देखने को मिला है।

कई विशेषज्ञों में इस बात पर सहमति बनती दिख रही है कि मौजूदा उथल-पुथल की मुख्य वजह लोकसभा चुनाव के परिणामों की अनिश्चितता है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि सत्तारूढ़ दल को पहले के अनुमानों से कहीं कम सीटें मिल सकती हैं। हालांकि आम तौर पर अभी भी यही अनुमान है कि सत्तारूढ़ दल को तीसरी बार सरकार बनाने का जनादेश मिलेगा, लेकिन सामान्य बहुमत नीतिगत सुधारों को आगे बढ़ाने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

इन सुधारों में मुख्य रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाना तथा चीन के एक संभावित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी करना शामिल हैं। भाजपा ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 400 से अधिक सीटें जीतने के दावे के साथ की थी, लेकिन अब लगने लगा है कि ऐसा परिणाम नहीं आयेगा। विभिन्न चरणों में मतदान प्रतिशत में कमी भी बढ़ती चिंता में योगदान कर रही है। चुनाव के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव असामान्य बात नहीं है। वर्ष 2019 में मतों की गिनती से पहले के एक महीने में वोलाटिलिटी इंडेक्स 20 प्रतिशत से अधिक हो गया था।

मौजूदा उतार-चढ़ाव में कुछ अन्य कारकों का भी योगदान है। पिछले महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगातार बिकवाली की थी। इस बिकवाली की वजह यह थी कि तब यह साफ हो गया था कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में जल्दी कोई कमी नहीं करेगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी हो रही है तथा रोजगार के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। लेकिन मुद्रास्फीति अभी उस स्तर पर नहीं आयी है, जैसी फेडरल रिजर्व की इच्छा है। इसलिए फेडरल रिजर्व अभी इंतजार कर रहा है और इसके लिए उसे अच्छे सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार के बढ़ते अवसरों से महत्वपूर्ण समय भी मिल रहा है। अमेरिका में अधिक ब्याज दर होना हमेशा भारत समेत अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी के पलायन के लिए कारक बन सकता है। इसी बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए धन मुहैया कराने के संबंध में बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के लिए नये नियमों का प्रस्ताव रखा, जिससे देनदार और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में बेचैनी है।

प्रस्तावित नियमों में कर्ज के बढ़ते दबाव की गहन निगरानी का प्रावधान भी है। यदि ये नियम लागू हो जाते हैं तो इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों द्वारा लिये जाने वाले कर्ज का खर्च बढ़ सकता है। साथ ही, देनदार बैंकों और वित्तीय संस्थानों के मुनाफे पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसी वजह से निवेशकों ने पिछले सप्ताह स्टॉक मार्केट खुलते ही बैंकों, वित्तीय संस्थाओं तथा इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के शेयरों को भारी मात्रा में बेचना शुरू कर दिया।

बीते सप्ताह में सोमवार और मंगलवार को सार्वजनिक उपक्रम पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन और रुरल इलेक्ट्रिफिकेशन के शेयरों के दाम में क्रमशः 12.6 और 8.9 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गयी। इसी प्रकार अनेक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों मसलन एनबीसीसी, एचजी इंफ्रा और केएनआर कंस्ट्रक्शन, के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गयी। निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों को अधिक आघात सहना पड़ा। केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों के मूल्य में क्रमशः 7.8, 6.2 और 3.3 प्रतिशत की कमी आयी।

एलआईसी को भी 5.7 प्रतिशत का झटका लगा। व्यापक उथल-पुथल के साथ-साथ इन सभी कारकों की वजह से शेयर मार्केट में मौजूदा गिरावट देखने को मिल रही है। इस सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन ऐसा लगता है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आने तक यह स्थिति बनी रह सकती है। उसके बाद कुछ स्थिरता की अपेक्षा की जा सकती है। तब तक स्टॉक मार्केट के निवेशकों, विशेष रूप से खुदरा निवेशकों, को खरीदारी और बिकवाली में सचेत रहना और संयम रखना चाहिए।

कुछ-अलग

क्रिकेट का मार्गदर्शक मंडल

आलोक पुराणिक

सीनियर होना बहुत मुश्किल काम है। नये बच्चे कुछ समझते नहीं हैं। पुराने वक्त की इज्जत रहती नहीं है। पुराने दिन याद आते हैं और आफत इसलिए ज्यादा हो जाती है। पुराने लोगों की सबसे बड़ी आफत यही होती है कि हाय वो पुराने दिन ना रहे। रोहित शर्मा के पुराने दिन ना रहे। पुराने दिन किसी के भी नहीं रह सकते। वक्त और इंसान कभी एक से नहीं रह सकते। कवि, वकील और शराब- ये जितने पुराने हों, उतना ही ज्यादा असरदार होते हैं। पर यह बात क्रिकेटर के बारे में नहीं कही जा सकती। क्रिकेटर जो पुराने हो जाते हैं, वे या तो कॉमेडी करने लगते हैं, सिद्धू की कसम, या कमेंट्री करने लगते हैं गावस्कर जैसे। जो ना कॉमेडी कर सकते, ना कमेंट्री, उनके लिए आफत है कि क्या करें।

सचिन तेंदुलकर भी इन दिनों कई किस्म के आइटम बेच लेते हैं। पर ऐसे कई हैं, जो कुछ भी ना बेच पाते। बेचाधिकार सबको मिलने चाहिए। जो कुछ ना बेच पाता, वह फिर भुनभुनाता है। इस मुल्क में जो कुछ नहीं कर सकता वह भी भुनभुनाने के काम तो कर ही लेता है। तो बेचाधिकार से वंचित पुराने क्रिकेटर भुनभुना सकते हैं, बस छोटी सी आफत यह है कि भुनभुनाने के पैसे नहीं मिलते। पुराने क्रिकेटरों को ऐसे काम मिलने चाहिए, जिनसे कुछ पैसे भी मिलें। आइपीएल टूर्नामेंट में यह लगातार साफ हो रहा है कि पुराने वैसे रिजल्ट ना दे रहे जैसे रिजल्ट नये वाले दे रहे है। नये वालों का जलवा बेहतर हो रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा ही होता है। एक वक्त की बहुत सुपरस्टार टाइप हीरोइन कुछ वर्षों बाद भाभी या मां के रोल में आ जाती है। जगह छोड़नी पड़ती है आप चाहें या नहीं चाहें।

क्रिकेटरों का भी यही हाल है। जगह छोड़नी पड़ती है। पर जगह कोई छोड़ना नहीं चाहता है। सिर्फ पॉलिटिक्स के कारोबार में यह संभव है कि बंदा अस्सी पार जाकर भी अड़ा रहे कि मैं ही हूं, मैं ही रहूंगा। भतीजे अजित पवार कुड़कुड़ाते रह जाते हैं, चाचा शरद पवार यही कहते हैं- हम हूं ही ना, बल्कि हमीं हूं, और कौन आयेगा।

चुनाव जैसे-जैसे आगे जा रहे हैं, वैसे तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। औरंगजेब की इलेक्शन ड्यूटी भी लग गयी है। महाराष्ट्र में संजय राउत ने कहा कि औरंगजेब गुजरात में पैदा हुए थे, उनका इशारा गुजरात आधारित नेताओं पर व्य

सीएम यादव बोले- जन्म और मृत्यु की यात्रा के बीच सदकर्म सबसे महत्वपूर्ण

एजेंसी

भोपाल, 14 मई (नवसत्ता)। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव मंगलवार को लालघाटी स्थित चित्रगुप्त धाम श्री मनकामनेश्वर महादेव नेवरी मंदिर के कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां पर मुख्यमंत्री ने भगवान मनकामनेश्वर महादेव की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मनुष्य का जन्म होता है तो मृत्यु भी अटल है। व्यक्ति के संसार में आने और जाने के बीच सबसे महत्वपूर्ण है सदमार्ग की ओर जाना। यह हिंदू समाज का गौरवशाली पक्ष है। जन्म और मृत्यु के बीच की जो यात्रा है उसमें पुण्य कर्मों के साथ ही अन्य कर्मों और जाने, अनजाने में हुई त्रुटियों के साक्षी भगवान चित्रगुप्त जी होते हैं। वे मृत्यु लोक में व्यक्ति के कर्मों का हिसाब किताब रखते हैं। आज नास्तिक लोगों के पास भी इस बात का कोई उत्तर नहीं है। जन्म के बाद मृत्यु अवश्यंभावी है।

मुख्यमंत्री डा. यादव ने कहा कि आज गोपाष्टमी है और भगवान चित्रगुप्त जी का प्रकटोत्सव है। कृष्ण जन्माष्टमी और गोपाष्टमी ही सबसे महत्वपूर्ण अष्टमी होती है। आज भगवान चित्रगुप्त की अनुकंपा इस कार्यक्रम में आकर मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के इस कार्यक्रम में उपस्थित बंधुओं को प्रणाम करते हुए यह आशा व्यक्त करता हूं कि जिस तरह अयोध्या में भगवान राम मुस्कुरा रहे हैं, शीघ्र ही भगवान कृष्ण की जन्म भूमि में प्राण प्रतिष्ठा का अवसर भी आएगा।

वहीं, उन्होंने कहा कि जीवन का लेखा जोखा रखने वाले भगवान श्री चित्रगुप्त के बिना मानव का उद्धार संभव नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में हम इस तीर्थ को और विकसित करेंगे। सभी को भगवान चित्रगुप्त जयंती की बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में धार्मिक जगह को बढ़ावा दे रहे हैं।

आज से शुरू होंगी तीन साल से रुकी नर्सिंग की परीक्षाएं

एजेंसी

भोपाल, 14 मई (नवसत्ता)। मध्यप्रदेश में तीन साल से रुकी हुई नर्सिंग की परीक्षाएं 15 मई से शुरू होंगी। लेकिन 21-22 और 22-23 सत्र के 50 हजार से ज्यादा नर्सिंग छात्र-छात्राओं अभी भी परीक्षा का इंतजार करना पड़ेगा। एनएसयूआई ने उच्च न्यायालय का आभार व्यक्त किया है। मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय का नर्सिंग घोटाला सूर्खियों में रहा है। नर्सिंग घोटाले में पिछले एक साल से सीबीआई जांच भी चल रही थी, वहीं उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच में सूटेबल यानी पात्र, डिफिशिएंसी यानी अपात्र और तय मापदंड पर खरे नहीं उतरने वाले नर्सिंग कॉलेजों ने सुप्रीम कोर्ट से स्टे लिया था। प्रदेश के उन सभी नर्सिंग कॉलेजों के सभी छात्र-छात्राओं की परीक्षाओं के आदेश दिए हैं। नर्सिंग घोटाले को उजागर करने वाले एनएसयूआई नेता रवि परमार ने इसको छात्र छात्राओं की एवं खुद की जीत बताते हुए उच्च न्यायालय का आभार व्यक्त किया और नर्सिंग के सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। रवि परमार ने बताया कि सभी छात्राओं ने परीक्षा को लेकर लंबी लड़ाई लड़ी है। पुलिस द्वारा परीक्षा की मांग करने वालों छात्र नेताओं और छात्रों पर कई मुकदमे भी दर्ज किए। जेल भी भेजा, लेकिन लड़ाई अंतिम तक जारी रही। वहीं नर्सिंग महाघोटाला में संलिप्त दोषियों पर जब तक कड़ी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक निरंतर लड़ाई जारी रहेगी।

हादसे में मृतकों के परिजनों को मिलेगी पांच लाख रुपये की मदद

एजेंसी

मुंबई, 14 मई (नवसत्ता)। नगरपालिका (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि घायलों में से अब तक 32 को अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है, इनमें से 25 को घाटकोपर में राजावाड़ी अस्पताल में, चार को एम.जे. अस्पताल विखरोली और तीन को जोगेश्वरी में एचबीटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घाटकोपर में होर्डिंग गिरने की घटना पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मैं खुद घटनास्थल पर गया था। हादसे में जिनकी मृत्यु हुई थी उन्हें सरकार 5 लाख रुपये देगी और घायलों के इलाज का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई के घाटकोपर इलाके में तेज आंधी और बेमौसम बारिश के चलते विशाल होर्डिंग गिरने से कम से कम 14 लोगों की मौत होने के 21 घंटे से अधिक समय बाद भी तलाश एवं बचाव अभियान जारी है। नगरपालिका अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि अब तक होर्डिंग के नीचे से 89 लोगों को निकाला जा चुका है, जिनमें से 14 को मृत घोषित कर दिया गया जबकि 75 अन्य घायल हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को मुंबई और पड़ोसी ठाणे के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बीएमसी के 75 और मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के 50 कर्मी भी अभियान में जुटे हैं। सोमवार शाम करीब चार बजे छेदानगर में पेट्रोल पंप के निकट 120 फुट लंबी और 120 फुट चौड़ी होर्डिंग गिरने के बाद अधिकारियों ने कहा था कि 100 से अधिक लोगों के दबे होने की आशंका है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, होर्डिंग अवैध थी और इसे लगाने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी।

बद्रीनाथ में अव्यवस्था और वीआईपी दर्शन से पुजारियों व लोगों में नाराजगी

एजेंसी

देहरादून, 14 मई (नवसत्ता)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन करने चारधाम पहुंच रहे हैं। ऐसे में तीर्थयात्रियों को चारधाम यात्रा के खराब प्रबंधन के कारण अनेक परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ में पुजारियों और स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन के कुप्रबंधन के खिलाफ सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। विरोध में मंदिर में दुकानें बंद कर दी गईं। पंडा समुदाय और स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए। कुछ समय के लिए बाजार और दुकानें बंद रखीं इससे दर्शन करने पहुंचे तीर्थयात्रियों को काफी असुविधा हुई। आपको बता दें कि चारधाम यात्रा 10 मई से शुरू हुई।

बद्रीनाथ में दर्शन करने आने वाले आम लोगों को वीआईपी दर्शन व्यवस्था से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रदर्शनकारियों ने बद्रीनाथ में वीआईपी दर्शन व्यवस्था बंद करने के विरोध में प्रदर्शन किए। स्थानीय लोगों के लिए पारंपरिक मार्गों से बैरिकेड हटाने और पहले की तरह मंदिर में प्रवेश की सुविधा देने की मांग सहित आधा दर्जन से अधिक मांगों के समर्थन में हंगामा किया गया। हालांकि बाद में प्रदर्शनकारियों और मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के बीच वार्ता के बाद सड़कों से बैरिकेडिंग हटा दी गई।

उत्तराखंड सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर अगले 15 दिनों तक चार धाम दर्शन के लिए वीआईपी लोगों को आने की अनुमति नहीं देने का अनुरोध किया है।

12 साल की रेप विक्टिम को अबॉर्शन की अनुमति

एजेंसी

मुंबई, 14 मई (नवसत्ता)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 12 साल की रेप विक्टिम को अपनी प्रेग्नेंसी टर्मिनेट करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने यह फैसला उसके कल्याण और सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए दिया। विक्टिम 25 हफ्ते की प्रेग्नेंट है। जस्टिस संदीप मार्ने और नीला गोखले की वेकेशन बेंच ने मेडिकल बोर्ड की तरफ से दाखिल की गई रिपोर्ट को देखकर फैसले में कहा परिस्थिति की गंभीरता को देखकर हमारे लिए नाबालिग लड़की की भलाई और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है।

लड़की के साथ उसके अपने 14 साल के भाई ने रेप किया था। मई की शुरुआत में उसने अपनी मां से पेट दर्द की शिकायत की थी। जब मां उसे अस्पताल ले गई, तो उसकी प्रेग्नेंसी की जानकारी सामने आई। तब लड़की ने बताया कि जब घर पर कोई नहीं होता था तो उसका बड़ा भाई उसके साथ जबरदस्ती किया करता था। उसने उसे डराया-धमकाया भी था कि अगर किसी को बताया तो वह उसे नुकसान पहुंचाएगा। मां की शिकायत के आधार पर बेटे के खिलाफ आईपीएस और पीओसीएसओ के तहत केस दर्ज किया गया है और उसे बाल-सुधार गृह भेज दिया गया है। बेंच ने अपने आदेश में कहा कि लड़की को बहुत बाद तक जानकारी नहीं थी कि वह प्रेग्नेंट है। मेडिकल बोर्ड ने साफ तौर पर कहा है कि इस प्रेग्नेंसी से मरीज के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। बेंच ने ये भी कहा कि प्रेग्नेंसी टर्मिनेशन प्रोसिजर के बाद अस्पताल लड़की को काउंसिलिंग भी देगा। बेंच ने अस्पताल प्रबंधन को यह निर्देश भी दिया कि भ्रूण के टिश्यू सैंपल और डीएनए सैंपल रखेगा और क्रिमिनल ट्रायल के लिए इन्हें इन्वेस्टिगेटिंग अधिकारी को भेजेंगे। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत, किसी भी शादीशुदा महिला, रेप विक्टिम, दिव्यांग महिला और नाबालिग लड़की को 24 हफ्ते तक की प्रेग्नेंसी अबॉर्ट करने की इजाजत दी जाती है। 24 हफ्ते से ज्यादा प्रेग्नेंसी होने पर मेडिकल बोर्ड की सलाह पर कोर्ट से अबॉर्शन की इजाजत लेनी पड़ती है। एमटीपी एक्ट में बदलाव साल 2020 में किया गया था। उससे पहले 1971 में बना कानून लागू होता था। सुप्रीम कोर्ट ने 14 साल की रेप विक्टिम को 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन की इजाजत देने वाला फैसला पलट दिया है। कोर्ट ने 22 अप्रैल को लड़की के अबॉर्शन की इजाजत दी थी। कोर्ट ने ये फैसला लड़की के माता-पिता के अनुरोध के बाद पलटा। लड़की के पेरेंट्स ने कहा कि इस प्रोसिजर से उनकी बेटी की जिंदगी को खतरा हो सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि हम बच्चे को पालने के लिए तैयार हैं। पेरेंट्स से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात करने के बाद सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि बच्चे का हित सबसे ऊपर है। सुप्रीम कोर्ट ने 22 अप्रैल को मुंबई के लोकमान्य तिलक अस्पताल को तत्काल अबॉर्शन के लिए इंतजाम करने का आदेश दिया था। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने आदेश सुनाते हुए कहा था- हम अबॉर्शन की इजाजत इसलिए दे रहे हैं, क्योंकि यह असाधारण मामला है।

हादसे के बाद बीएमसी जीआरपी की जमीन पर लगे बाकी होर्डिंग हटाएगी

एजेंसी

मुंबई, 14 मई (नवसत्ता)। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) मुंबई के पूर्वी हिस्से छेड़ा नगर में हुए हादसे के बाद राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की जमीन पर लगे बाकी होर्डिंग मंगलवार को हटाना शुरू कर देगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आंधी और बेमौसम बारिश के दौरान सोमवार को घाटकोपर में एक पेट्रोल पंप पर 100 फुट लंबा अवैध होर्डिंग गिरने से कम से कम 14 लोगों की जान चली गई और 74 लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय निकाय ने जीआरपी की जमीन पर लगे बाकी होर्डिंग को हटाने की योजना तैयार की है।

इससे पहले बीएमसी ने कहा था कि उसने पेट्रोल पंप पर होर्डिंग लगाने के लिए 'मेसर्स एगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड' को नोटिस जारी किया है और पुलिस ने कंपनी के मालिक भावेश भिंडे तथा अन्य के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एन-वार्ड के सहायक नगर आयुक्त ने एक विज्ञापन एजेंसी को इन होर्डिंग को तत्काल प्रभाव से हटाने के लिए नोटिस जारी किया था, लेकिन स्थानीय निकाय को अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि जीआरपी ने अवगत कराया है कि उसके पास बाकी होर्डिंग को हटाने के लिए आवश्यक साजो-सामान नहीं है और इन्हें हटाने के लिए बीएमसी से अनुरोध किया गया है।

अधिकारी ने होर्डिंग को हटाने की कोई समयसीमा बताए बिना कहा कि एक के बाद एक होर्डिंग लगाए गए हैं और इसी तरह से इन्हें हटाना होगा।

खेल

केएल राहुल ने छोड़ा एलएसजी का साथ?

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। जब से लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने खुले आम टीम के कप्तान केएल राहुल को डांट-फटकार लगाई है, उसके बाद से ही कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। माना जा रहा है कि राहुल को टीम के आखिरी 2 लीग मैचों में कप्तानी से हटाया जा सकता है और फिर इस सीजन के बाद रिलीज किया जा सकता है। ऐसा होगा या नहीं, ये तो आगे ही पता चलेगा लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा दावा किया गया है, जिससे ये विवाद शांत होता नहीं दिख रहा है। रिपोर्ट्स हैं कि लखनऊ के अगले मैच के लिए कप्तान राहुल टीम के साथ दिल्ली नहीं गए। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ के बीच मंगलवार 14 मई को अरुण जेटली स्टेडियम में मैच खेला जाना है।

लखनऊ को अपने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था। हैदराबाद ने इस मैच में सिर्फ 9।4 ओवरों में 167 रन बनाकर 10 विकेट से मैच जीत लिया था। इस मैच में जहां हैदराबाद के बल्लेबाजों ने ऐसी विस्फोटक बैटिंग की थी तो वहीं लखनऊ के कप्तान राहुल 33 गेंदों में सिर्फ 29 रन बना सके थे। ऐसे में उन पर सवाल उठने स्वाभाविक थे लेकिन जिस अंदाज में टीम के मालिक गोयनका बीच मैदान पर सबके सामने उन पर भड़के, वो बड़ा विवाद का विषय बन गया और इसके बाद से ही हर कोई राहुल के सपोर्ट में कूद पड़ा।

क्रिकट्रैकर की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले मैच के बाद टीम लखनऊ में ही थी लेकिन वहां से दिल्ली जाते हुए राहुल इस बार स्क्वॉड का हिस्सा नहीं थे, जो कि बाकी दिनों से एकदम अलग है। रिपोर्ट में ये भी अंदाजा जताया गया है कि ये भी संभव है कि राहुल शायद अलग से टीम के साथ दिल्ली में जुड़ें, जो कि कई टीमों में मौजूद सीनियर भारतीय खिलाड़ी करते रहे हैं। फिर भी उस विवाद के बाद अगले ही मैच में ऐसा होने से बवाल को हवा ही मिल रही है।

आभा खटुआ ने शॉटपुट में बनाया नेशनल रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। आभा खटुआ ने राष्ट्रीय फेडरेशन कप एथलेटिक्स के दूसरे दिन सोमवार को 18.41 मीटर थ्रो कर शॉटपुट में नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले मनप्रीत कौर के साथ 18.06 मीटर के साथ उनके नाम यह रिकॉर्ड था। आभा ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में हो रहे नेशनल फेडरेशन कप में अपने पांचवें प्रयास में 18.41 मीटर की थ्रो के साथ नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया। हालांकि उनका यह प्रयास ओलिंपिक क्वालिफाइंग मार्क 18.80 मीटर से काफी कम था। ओलिंपिक क्वालिफाई के लिए आखिरी डेट 30 जून को खत्म हो रहा है। आभा के पास ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने का अभी मौका है। इस इवेंट में उत्तर प्रदेश की किरण बलियान 16.54 मीटर के साथ दूसरे और दिल्ली की सृष्टि विज 15.86 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं मेंस के 200 मीटर फाइनल में ओडिशा के अनिमेश कुजूर ने 20.62 सेकेंड की दौड़ लगाई। यह अमलान बोरगोहेन के दो साल पुराने 20.52 सेकेंड के नेशनल रिकॉर्ड से .10 सेकेंड से चूक गए। इस इवेंट में आंध्रप्रदेश के संगुमा 20.97 के साथ दूसरे और महाराष्ट्र के जय शाह 21.31 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं 800 मीटर में हिमाचल प्रदेश के अनिकेश चौधरी 1.50.16 के साथ पहले और हरियाणा के सोमनाथ चौहान 1:50.16 सेकंड के साथ दूसरे और केरल के मोहम्मद अफसल पी 1:50.44 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

बीसीसीआई ने हेड कोच पद के लिए आवेदन मंगवाए

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया के हेड कोच पद के लिए आवेदन मंगवाए हैं। बोर्ड ने सोमवार देर रात उम्मीदवारों के लिए विज्ञापन जारी किया। उम्मीदवार 27 मई को शाम 6 बजे तक अप्लाई कर सकते हैं। राहुल द्रविड़ फिलहाल टीम इंडिया के हेड कोच हैं। उनका कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो जाएगा।

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान नए हेड कोच का सिलेक्शन हो जाएगा। उनका कार्यकाल 1 जुलाई 2024 से शुरू होकर 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा। इस दौरान टीम इंडिया को आईसीसी के 5 टूर्नामेंट खेलने हैं। इनमें चैंपियंस ट्रॉफी, टी-20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2 साइकिल शामिल हैं।

राहुल द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारत का हेड कोच बनाया, तब टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में टीम ने फिर सेमीफाइनल खेला। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया था, लेकिन टीम इंडिया के फाइनल में पहुंचने के कारण उनका कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया गया। द्रविड़ के साथ कोचिंग स्टाफ का भी कार्यकाल बढ़ाया गया था। इनमें बैटिंग कोच विक्रम राठौड़, फील्डिंग कोच टी दिलीप और बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे शामिल हैं। जय शाह ने पिछले दिनों कहा था कि द्रविड़ चाहें तो कोच पद के लिए फिर से अप्लाई कर सकते हैं। द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया की एकमात्र कामयाबी 2023 में एशिया कप के रूप में आई।

विराट कोहली फिर आरसीबी के कप्तान बनेंगे?

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पिछले पांच मैचों में पांच जीत दर्ज कर अपने आलोचकों के मुंह बंद कर दिए हैं। आरसीबी की इन दमदार जीतों में विराट कोहली का बड़ा हाथ रहा है, जिन्होंने अबतक 13 मैचों में 661 रन ठोक दिए हैं। विराट ने सिर्फ रन नहीं बनाए बल्कि वो अपने अनुभव के दम पर अहम मौकों पर टीम की काफी मदद कर रहे हैं। रणनीति बनाने में वो कप्तान फाफ डुप्लेसी के साथ खड़े रहते हैं और फिर अपनी फील्डिंग और विकेट के जश्न से वो साथी खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई भी करते हैं। विराट कोहली के इन्हीं तेवरों को देख हरभजन सिंह ने उन्हें फिर आरसीबी का कप्तान बनाने की वकालत कर दी है। हरभजन सिंह ने स्टार स्पोर्ट्स के शो में कहा कि विराट कोहली के पास अगले सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आगे ले जाने का जोश और आक्रामकता है। हरभजन के मुताबिक अगर आरसीबी प्लेऑफ में क्वालिफाई नहीं कर पाती है तो इस टीम को भारतीय खिलाड़ी को कप्तान बनाना चाहिए। क्यों ना फिर विराट कोहली को कप्तान बनाया जाए। हरभजन के मुताबिक विराट जानते हैं कि आरसीबी को किस तरह का क्रिकेट खेलने की जरूरत है। बता दें विराट कोहली ने 2013 से लेकर 2021 तक आरसीबी की कप्तानी संभाली थी और इस दौरान ये टीम एक बार फाइनल तक पहुंच पाई। खिताब तो आरसीबी अबतक जीत नहीं पाई है। अब देखना ये है कि क्या आरसीबी विराट को दोबारा कप्तान बनाएगी या वो आगे किसी युवा खिलाड़ी में निवेश करेगी।

वैसे विराट कोहली चाहे कप्तान हों या ना हों ये खिलाड़ी कप्तान की मदद तो करता ही है। फाफ डुप्लेसी के साथ मुश्किल परिस्थितियों में विराट हमेशा खड़े नजर आते हैं। इस सीजन तो विराट कोहली ने आरसीबी की नैया संभाली है। विराट बिना कप्तानी के टैग के बेहतरीन क्रिकेट खेल रहे हैं।

भारतीय टीम के कोच जीवनजोत के बेटे का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच जीवनजोत सिंह तेजा के पुत्र हरकुंवर सिंह तेजा ने कनाडा के लिए पैन अमेरिकन यूथ तीरंदाजी चैंपियनशिप में विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीता है। जीवनजोत वही तीरंदाजी कोच हैं, जिन्होंने उपेक्षाओं से दुखी होकर भारत छोड़ दिया था। अंतिम क्षणों में द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नाम काटे जाने के चलते वह पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की नौकरी छोड़ परिवार समेत कनाडा में चले गए थे।

जीवनजोत के मुताबिक उन्होंने प्रण लिया था कि जो सम्मान उन्हें नहीं मिला वह अपने बेटे के जरिए हासिल करेंगे। उन्होंने कनाडा में ही 2020 में बेटे को तीरंदाजी सिखाना शुरू किया, लेकिन भारत का मोह वह नहीं छोड़ पा रहे थे। हांगझोऊ एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण जीतने वाली ज्योति सुरेखा और अन्य शिष्यों के दबाव में वह द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए आवेदन करते रहे। उनके शिष्यों का प्यार रंग लाया और जिस द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए 2018 में उनका नाम चयनित होने के बावजूद काटा गया, 2022 में उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया। जीवनजोत ने इसके बाद भारत आने का फैसला लिया। वह इस वक्त भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच हैं। जीवनजोत के मुताबिक बेटा कनाडा में ही शिक्षा अर्जित कर रहा है, लेकिन तीरंदाजी सीखने के लिए उनके पास यहां आता है। पैन अमेरिकन चैंपियनशिप के लिए वह उनके पास यहां तीन माह रहकर गया। यहां उन्होंने उसे तैयारी कराई, जिसका नतीजा यह निकला कि हरकुंवर ने अंडर-15 कंपाउंड ओपन वर्ग के मुकाबले में 720 में से 682 का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। फाइनल में हरकुंवर ने कोलंबिया के अल्मारियो फ्लोरेस जुआन एस्तेबान को 145-140 से पराजित किया। जीवनजोत इसी माह कोरिया में होने जा रहे विश्वकप में भारतीय टीम के साथ बतौर कोच जा रहे हैं।

ओलिंपिक में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल?

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। पेरिस ओलिंपिक में केवल ढाई महीने का समय बचा है। इस बार इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी खेलों की सुरक्षा से लेकर मनोरंजन तक में एआई का इस्तेमाल करेगी। इसके तहत खिलाड़ियों के परिवार के भावों को मॉनिटर किया जाएगा। वहीं, रियल टाइम एनालिसिस से जज की मदद की जाएगी। 1924 में पेरिस में हुए ओलिंपिक की तस्वीरों को रंगीन करने की योजना भी है। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉडकास्टर एनबीसी यूनिवर्सल ने ओलिंपिक एथलीट्स के माता-पिता को हार्ट रेट मॉनिटर देने की योजना बनाई है, ताकि वे टूर्नामेंट के दौरान उनके रिएक्शन लाइव दिखा सकें।

गेम्स के दौरान संदिग्ध घटनाओं को मॉनिटर करने के लिए सर्विलांस में ढ्ढ लैस कैमरों की मदद ली जाएगी।

केंद्र में बीएसपी की सरकार बनी तो बुंदेलखंड अलग राज्य बनेगा: मायावती

संवाददाता

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को दावा किया कि अगर वे सत्ता में आई तो अलग बुंदेलखंड राज्य बनाया जाएगा। मंगलवार को झांसी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा, अलग बुंदेलखंड राज्य बनाने की मांग हो रही है, अगर हमारी सरकार (केंद्र में) बनी तो हम इस संबंध में सकारात्मक कदम उठाएंगे। बुंदेलखंड जरूर एक अलग राज्य बनाया जाएगा। बुंदेलखंड उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैला एक पहाड़ी क्षेत्र है।

उत्तर प्रदेश के सात जिले (बांदा, महोबा, हमीरपुर, ललितपुर, झांसी, जालौन और चित्रकूट) और मध्य प्रदेश के आठ जिले इस क्षेत्र में आते

हैं। बसपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री रहते हुए वर्ष 2011 में उप्र को चार भागों में विभक्त करने का एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था और हाल में पश्चिमी उप्र की चुनावी जनसभाओं में उन्होंने सत्ता में आने पर पश्चिमी उप्र को अलग राज्य बनाने का वादा किया। मायावती ने यह भी दावा किया कि वर्तमान भाजपा नीत राजग सरकार के लिए मौजूदा लोकसभा चुनाव में सत्ता में वापसी करना आसान नहीं होगा, बशर्ते यह चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हो और ईवीएम से छेड़छाड़ न की जाए।

मायावती ने कहा कि लंबे समय तक केंद्र और देश के अनेक राज्यों में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन उसकी गलत नीतियों के कारण उसे सत्ता से बेदखल होना पड़ा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से भाजपा और उसके सहयोगी दल केंद्र और काफी राज्यों में सत्ता पर काबिज हैं लेकिन उनकी भी जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, साम्प्रदायिक तथा द्वेषपूर्ण नीतियों और कथनी तथा करनी में अंतर की वजह से अब ऐसा लगता है कि इस बार भाजपा के लिए केंद्र की सत्ता में वापसी आसान नहीं होगी। उन्होंने कहा, इस बार भाजपा की नाटकबाजी और जुमलेबाजी नहीं चलने वाली है क्योंकि अब देश की जनता काफी हद तक इस बात को समझ चुकी है कि भाजपा ने जो वादे किये और हवा-हवाई गारंटी दी थी, उसका एक चौथाई भी काम नहीं किया है। मायावती ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, अब ऐसा लगता है कि कांग्रेस की तरह ही भाजपा ने भी केंद्र की तमाम सरकारी जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दिया है। इसके अलावा देश का किसान वर्ग भी वर्तमान भाजपा सरकार के शासन में शुरू से ही अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर काफी दुखी और परेशान रहा है। मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि जहां तक टिकट वितरण का सवाल है, उनकी पार्टी ने समाज के सभी वर्गों के लोगों को उचित भागीदारी दी है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से भाजपा, कांग्रेस और उनके सहयोगियों को केंद्र में सत्ता में आने से रोकने का आग्रह करते हुए कहा कि 'ओपिनियन पोल' और सर्वेक्षणों से गुमराह न हों।

उन्होंने सत्ता हासिल करने के लिए इन पार्टियों द्वारा कथित तौर पर अपनाई जा रही साम, दाम, दंड, भेद की नीतियों के खिलाफ भी चेतावनी दी। झांसी में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। बसपा ने झांसी से रवि प्रकाश कुशवाहा को मैदान में उतारा है, जबकि भाजपा ने मौजूदा सांसद अनुराग शर्मा को फिर मौका दिया है। कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य को टिकट दिया है।

भाजपा प्रत्याशी कंगना रणौत ने दाखिल किया नामांकन

एजेंसी

शिमला, 14 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव में हॉट सीट बन चुके हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी कंगना रणौत ने अपना नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारी अपूर्व देवगन के समक्ष दायर किया। नामांकन से पहले कंगना ने पड्डल मैदान से लेकर डीसी ऑफिस तक रोड शो किया। रोड शो में भाजपा के कार्यकर्ता नाचते-गाते, नारे लगाते हुए उपायुक्त कार्यालय के गेट तक पहुंचे। रोड शो के माध्यम से कहीं न कहीं भाजपा ने हाल ही में हुई कांग्रेस की नामांकन रैली का जवाब देने का प्रयास भी किया। इसके बाद कंगना रणौत ने पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल और अपनी माता संग निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके कंगना ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आज उनके नामांकन को

लेकर पूरे मंडी संसदीय क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। लोगों में इस बात को लेकर अधिक उत्साह है कि मंडी की बेटी आज चुनावी मैदान में है और उसे हर हाल में विजयी बनाना है। कंगना रनौत ने कहा कि मंडी के लोग और मेरे लिए उनका प्यार मुझे यहां ले आया है। हमारे देश में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। कुछ दशक पहले मंडी में भ्रूण हत्या की घटनाएं ज्यादा होती थीं। आज मंडी की महिलाएं सेना, शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में हैं। कंगना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रविरोधी मानसिकता देश के लिए चिंता का विषय है। कंगना रणौत ने कहा कि आज मैंने मंडी लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल किया है। कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का मौका मिला है। मुझे बॉलीवुड में भी बहुत सफलता मिली है और उम्मीद है कि राजनीति के क्षेत्र में भी मुझे सफलता मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल ने मंडी में कंगना रनौत की जनसभा में कहा कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी हैं तो हम पहना देंगे।

अखिलेश यादव का दावा, 140 सीटों पर सिमट जाएगी भाजपा

संवाददाता

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता)। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने आज भाजपा पर एक बार फिर से बड़ा हमला किया है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि पार्टी के बुंदेलखण्ड तक पहुंचते-पहुंचते भाजपा का अहंकार खत्म हो जाएगा। बीजेपी का ग्राफ गिर रहा है और इसकी कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के प्रति लोगों का गुस्सा भी बढ़ रहा है...किसानों के लिए पानी की कोई व्यवस्था नहीं, फसलों की खरीद के लिए कोई व्यवस्था नहीं राशन के नाम पर यहां धोखा हो रहा है। बुन्देलखण्ड की जनता जानती है कि उनका दुश्मन कौन है।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि जनता इंडिया गठबंधन और समाजवादी पार्टी का समर्थन कर रही है। 140 करोड़ जनता बीजेपी को 140 सीटों पर सीमित कर देगी। अब कोई मन की बात नहीं सुनना चाहता, संविधान की बात सुनना चाहता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इंडिया गठबंधन जीतेगा। जनता इंडिया

गठबंधन का समर्थन कर रही है जो लोग सोचते हैं कि वे धोखे से जीत सकते हैं, जनता उन्हें अपने वोटों से जवाब देगी। लोग भाजपा के काम से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

यादव ने चौथे चरण के मतदान के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संदेश में कहा, चार चरणों के बाद जनता ने भाजपा के '400 पार' के दावे के आगे से 4 गायब कर दिया है और अब डबल इंजन वालों की संभावना में बस डबल शून्य बचे हैं। भाजपा की सरकार बनाने की संभावना 00फीसदी है।'' उन्होंने इसी संदेश में आगे कहा, आगामी तीन चरणों में भी जनता भाजपा को हराने के लिए और 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनाने के लिए, चार चरणों से भी उत्साह से वोट डालेगी।

लोकसभा चुनाव की लड़ाई अब अवध और बुंदेलखंड में आई

संवाददाता

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के चार चरण की वोटिंग के बाद अब बारी पांचवे चरण की है। पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश की 14 लोकसभा सीटों पर 144 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला 20 मई को मतदाता करेंगे। इस चरण का लोकसभा चुनाव अवध और बुदेलखंड के इलाके वाली सीटों पर होना है, जहां पिछले दो चुनाव से बीजेपी का दबदबा बना हुआ है। बीजेपी 2014 में 12 सीटें जीती थी तो 2019 में बढ़कर 13 हो गई हैं। विपक्ष के पास इकलौती सीट रायबरेली है। इस बार का मुकाबला पिछले दो चुनाव से काफी अलग माना जा रहा है। पांचवें चरण में 14 में से पांच सीटें कम मार्जिन वाली हैं, जहां पर सियासी गेम इस बार बदल सकता है?

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में अवध क्षेत्र की 8 लोकसभा सीटें हैं तो बुलंदेलखंड की चार सीट हैं। इसके अलावा दो सीट दोआब की इलाके की हैं। अवध इलाके में आने

वाली लखनऊ, मोहनलालगंज रायबरेली, अमेठी, फैजाबाद कैसरगंज, बाराबंकी, गोंडा सीट है। बुलंदेखंड में जालौन, झांसी, हमीरपुर और बांदा सीट है। इसके अलावा फतेहपुर और कौशांबी सीट है, जहां पर 20 मई को मतदान होगा।

बीजेपी ने पिछले लोकसभा चुनाव में गांधी परिवार के गढ़ माने जाने वाले रायबरेली और अमेठी में जबरदस्त तरीके से कांग्रेस की घेराबंदी की थी, जिसका नतीजा था कि अमेठी सीट पर कमल खिलाने में कामयाब रहीऔर रायबरेली नहीं जीत सकी थी। हालांकि, पांचवें चरण में कम मार्जिन के साथ वाली लोकसभा सीटों में अमेठी भी शामिल है। इसके अलावा बांदा, फैजाबाद, मोहनलालगंज और कौशांबी सीट है, जहां पर बीजेपी की जीत का अंतर एक लाख से कम था।

2019 में बीजेपी ने अमेठी सीट को 55120 वोटों से जीता था जबकि फैजाबाद को 65477 वोटों से, बांदा को 58938 वोट, कौशांबी में 38722 और मोहनलालगंज को 90204 वोटों से जीता था। इस बार के सियासी समीकरण बदले हुए हैं। बसपा के बजाय सपा 2024 में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जिस तरह से ओबीसी और अतिपिछड़े वर्ग पर दांव खेला है, उसके चलते अगर वोटों का उलटफेर हुआ तो फिर इन पांच सीटों पर सियासी मिजाज बदल सकता है। बुदंलेखंड की चार लोकसभा सीटों पर बीजेपी 2014 से अपना दबदबा बनाए हुए हैं, जो कभी बसपा का गढ़ हुआ करता था। पिछले दस सालों में बसपा और सपा ने तमाम कोशिशें करके देख चुकी है, लेकिन बुदंलखेड में बीजेपी के वोटबैंक में सेंधमारी नहीं कर सकी है। अवध क्षेत्र में बीजेपी ने अपने कोर वोटबैंक से साथ जिस तरह गैर-जाटव दलित वोटबैंक खासकर पासी और कोरी समुदाय के बीच अपनी पैठ जमाई है, उसके चलते ही अमेठी में राहुल गांधी को शिकस्त देने में सफल रही थी। इसके अलावा बीजेपी अतिपिछड़े वर्ग के वोटबैंक को भी अपने साथ साधने में कामयाब रही है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को वोट प्रतिशत बढ़ने का सियासी लाभ मिला था। कांग्रेस ने 2009 में अपनी परंपरागत सीट रायबरेली और अमेठी पर कब्जा बरकार रखने के साथ कांग्रेस ने भी फैजाबाद, गोंडा, बाराबंकी और झांसी में जीत दर्ज कर ली थी जबकि बसपा के खाते में हमीरपुर लोकसभा सीट गई थी।

कांग्रेस नेता बोले- इंड़िया गठबंधन के हजारों बब्बर शेर एक साथ

संवाददाता

लखनऊ, 14 मई (नवसत्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव लोकसभा चुनावों के बीच एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। झांसी में अपने संबोधन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह लड़ाई, यह चुनाव संविधान को बचाने के लिए है...इसके (संविधान) के बिना भारत के गरीब लोग कहीं के नहीं रहेंगे। जिस दिन यह (संविधान) चला जाएगा, आपकी धरती अधिकार, आरक्षण, सार्वजनिक क्षेत्र सब खत्म हो जाएगा, इंडिया गठबंधन अखिलेश यादव, खड़गे और मैं इस संविधान की रक्षा कर रहे हैं।

मोदी सरकार पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि कोरोना में लोगों की जान जा रही थी। गंगा में लाशों के ढेर थे और अस्पतालों में वेंटिलेटर और ऑक्सीजन नहीं थी। तब नरेंद्र मोदी कह रहे थे- थाली बजाओ, मोबाइल की लाईट जलाओ। और मीडिया के लोग कह रहे थे- वाह.. क्या प्रधानमंत्री है, क्या मजेदार बात बोली है। उन्होंने

हुंकार भरते हुए कहा कि आमतौर पर जंगल में बब्बर शेर अकेले मिलते हैं, लेकिन यहां इंड़िया गठबंधन के हजारों बब्बर शेर एक साथ बैठे हुए हैं।

इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि जब भी मैं झांसी आता हूं तो सैनिक स्कूल की याद आती है। जिस समय कांग्रेस की सरकार थी, तब यूपी में सपा की सरकार थी। उस समय राहुल जी ने कहा कि हमें अमेठी के लिए एक सैनिक स्कूल चाहिए। तब मैंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक सैनिक स्कूल से काम नहीं चलेगा आपको और भी सैनिक स्कूल देने होंगे। जिसके बाद कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश को तीन सैनिक स्कूल दिए थे।

मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की पोल खोलेगी आप : गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की पोल खोलने के लिए वॉशिंग मशीन का एक नायाब अभियान शुरू किया है, जिसमें बताया जायेगा कि किस प्रकार भ्रष्टाचार के आरोपियों को बेदाग़ किया जाता है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को यहाँ से इस अभियान की शुरूआत की। श्री भारद्वाज ने डेमो दिखाकर बताया कि कैसे भ्रष्टाचार के आरोपियों को वॉशिंग मशीन में डालकर उनको क्लीन किया जाता है। लोगों को भाजपा के वॉशिंग मशीन का काला जादू दिखाने के लिए स्टेज पर एक तरफ बड़ी सी वॉशिंग मशीन रखी गई थी और दूसरी तरफ बड़ा सा जेल बनाया गया था। जो लोग भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हो गए, उनको ईडी ने वॉशिंग मशीन में डाल दिया और जिन्होंने समाज सेवा से पीछे हटने से इन्कार कर किया, उनको जेल में डाल दिया। श्री राय ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि यह चुनाव हम भ्रष्टाचार से लड़ने और उसे खत्म करने के लिए लड़ रहे हैं। भाजपा के इस दावे की सच्चाई क्या है? भाजपा के वॉशिंग मशीन का काला जादू क्या है? आज हमारे

कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज और उनकी टीम ने इस वॉशिंग मशीन के काले जादू को प्रदर्शित किया। पार्टी 23 मई तक दिल्ली के अंदर नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के हर विधानसभा में जाकर इस वॉशिंग मशीन के काले जादू को प्रदर्शित करेगी और भाजपा के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का असली सच जनता के सामने रखेगी। उन्होंने कहा कि चार चरणों के मतदान के बाद पूरे देश से यही खबर आ रही है कि भाजपा 200 से 220 की सीटों पर सिमट रही है। ऐसे में हमारी कोशिश यही है कि दिल्ली और पूरे देश में बचे हुए तीन चरणों में चुनाव प्रचार को और तेज किया जाए। केंद्र सरकार की सच्चाई को जनता के सामने रखा जाए, जिससे लोग सही निर्णय ले सकें। जनता इस तानाशाही की सरकार को हटाएं और देश में इंडिया समूह की सरकार बनाएं। इसलिए आज ने हम वॉशिंग मशीन के काले जादू का अभियान शुरू कर रहे हैं। श्री भारद्वाज ने कहा कि आज देश को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) दो एजेसियां ही चला रही है। जब केंद्र सरकार का मन करता है वह किसी भी नेता के खिलाफ ईडी-सीबीआई को छोड़ देती है। कुछ साल पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण पर आदर्श सोसायटी के घोटाले के आरोप लगे थे। कहा गया था कि कारगिल युद्ध में शहीद जवानों की विधवाओं के लिए सोसायटी बननी थी। इस सोसायटी में अशोक चव्हाण ने करोड़ों रुपए का घोटाला किया था। श्री चव्हाण भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर साफ हो गए और राज्यसभा भेज दिए गए।

क्या साइलेंट वोटर बनाएंगे मोदी को विनर?

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के लिए चार चरणों के मतदान हो चुके हैं। अब तक आधे से ज्यादा सीटों पर चुनाव हो चुके हैं। इस बीच विपक्ष इस बात को मुखरता से कहने लगा है कि हर चरण की वोटिंग के साथ ही बीजेपी की सत्ता से दूरी बढ़ती जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यहां तक कहना शुरू कर दिया है कि नरेंद्र मोदी अब देश के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। वहीं, बीजेपी सत्ता की हैट्रिक लगाने का दावा कर रही है और पीएम मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की रूपरेखा भी रख रहे हैं। विपक्ष के लिहाज से सत्ता विरोधी लहर और युवा नाराज हैं, तो फिर बीजेपी की उम्मीदें किन वोटरों पर टिकी हुई हैं, जिनके दम पर लगातार तीसरी बार सत्ता का इतिहास रचना चाहती है?

बता दें कि एक महीने पहले जब 2024 का चुनावी अभियान शुरू हुआ था तो आम धारणा थी कि बीजेपी को सत्ता की हैट्रिक लगाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन संविधान और आरक्षण पर खतरा वाले नैरेटिव ने कशमकश की स्थिति बना दी है। देश के कुछ हिस्सों में कम मतदान, जमीनी स्तर पर कुछ जगह सत्ता विरोधी लहर और पीएम मोदी के तीखे भाषणों को लेकर विपक्ष ने बीजेपी की सत्ता से विदाई का एजेंडा सेट करना शुरू कर दिया। दस साल में बीजेपी ने जो सामाजिक समीकरण का ताना बाना बुना है, विपक्ष उसमें संविधान और आरक्षण को मुद्दा बनाकर

सेंधमारी में कवायद कर रहा है। इस तरह 2024 के लोकसभा चुनाव के टर्निंग प्वाइंट में मोदी का साइलेंट वोटर ही किंगमेकर की भूमिका में नजर आ रहा है। पीएम मोदी का साइलेंट वोटर' यानी महिला वोटर, जो तमाम विपरीत परिस्थिति में भी बीजेपी के साथ मजबूती के साथ खड़ा है और 2024 में सत्ता की हैट्रिक लगाने की उम्मीद को बरकरार रखे हुए है। बीजेपी की सियासी ताकत के पीछे महिला वोटरों की भूमिका अहम रही है, जिन्हें साधकर पीएम मोदी ने 2014 और 2019 की चुनावी जंग फतह ही नहीं की बल्कि पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हुए। 2019 के चुनाव में बीजेपी को देश की 36 फीसदी महिलाओं ने वोट दिया था। पीएम मोदी खुद भी कह चुके हैं कि बीजेपी की जीत में साइलेंट वोटरों का मुख्य रोल रहा है। दस साल तक सत्ता में रहने बाद भी बीजेपी का यही एक वोट बैंक है, जो उसके साथ सबसे ज्यादा मजबूती से खड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीवी-9 भारतवर्ष के इंटरव्यू में कहा था कि मेरी सोच है कि भारत की 50 फीसदी आबादी को विकास यात्रा में भागीदार बनाना है। ऐसा होता है तो देश के विकास को रफ्तार मिल जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात में ऐसा करके दिखाया, अमूल डेयरी और लिज्जत पापड़ किसी मल्टीनेशनल कंपनी को कंपीट करेंगे। इसे महिलाओं ने करके दिखाया। खादी का कारोबार ध्यान देने के बाद बढ़ गया, लेकिन आज खादी में 80 फीसदी महिलाएं काम कर रही हैं। इस तरह महिला सशक्तिकरण करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे बदलाव और साइकोलॉजिकल बैरियर तोड़ना चाहता हूं। इसके लिए लखपति दीदी और ड्रोन दीदी योजना शुरू की है। पीएम मोदी अपनी हर चुनावी जनसभा में महिलाओं को बीजेपी के साथ मजबूती से जोड़े रखने की कवायद करते हुए नजर आते हैं। वरिष्ठ पत्रकार हेमंत तिवारी कहते हैं कि नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी ताकत और सत्ता में उम्मीद की किरण महिला वोटर जगा रही हैं। नरेंद्र मोदी ने 2014 में केंद्र की सत्ता पर विराजमान होने के साथ ही अपनी योजनाएं महिलाओं को केंद्रित कर शुरू कीं। पीएम मोदी ने सत्ता में आते ही देशभर में गरीबों के घरों में शौचालय बनवाने के निर्णय को महिलाओं के मान-सम्मान से जोड़ा। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस का सिलेंडर देकर उन्हें धुएं और उससे जनित बीमारियों से राहत दिलाई। जल संकट से जूझते क्षेत्रों में महिलाओं को दूर से भरकर पानी न लाना पड़े, जिसके लिए हर घर जल से नल पहुंचाने के लिए योजना शुरू की। वह कहते हैं कि पीएम आवास योजना के तहत बनने वाले घरों में से 60 प्रतिशत से अधिक घरों का मालिकाना हक महिलाओं को देकर उन्हें सशक्त बनाया। गर्भवती महिलाओं के लिए मातृ वंदन योजना शुरू की, जिसमें बच्चे के जन्म लेने पर महिलाओं को छह हजार रुपए की मदद दी जाती है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पीएम स्वनिधि योजना, मुद्रा योजना और लखपति दीदी जैसी योजनाओं से उन्हें सक्षम व आत्मनिर्भर बनाने की पहल की है। इससे महिलाओं का समर्थन बीजेपी के प्रति बढ़ा है। महिलाओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कई योजनाओं पर विश्वास चुनाव में दिखा है, जिसका सियासी लाभ बीजेपी को मिल रहा। इस चुनाव में महिलाएं बीजेपी के साथ मजबूती से खड़ी नजर आ रही हैं। देश में महिलाओं का वोटिंग पैटर्न बदल गया है। महिलाएं अब केवल पुरुषों की तुलना में ज्यादा वोटिंग ही नहीं कर रही हैं बल्कि अपने पसंद के उम्मीदवार को वोट कर रही हैं। मातृशक्ति आखिर चुनाव में एक मजबूत शक्ति कैसे बन रही है, इसे आंकड़ों के जरिए समझा जा सकता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में पुरुष और महिला मतदाताओं के मतदान प्रतिशत में सिर्फ डेढ़ प्रतिशत का अंतर था, जबकि 2019 में वह पुरुषों से आगे निकल गई। 2019 के लोकसभा चुनाव में पुरुषों का मतदान प्रतिशत जहां 67.02 था, तो महिलाओं का 67.18 प्रतिशत था। सीएसडीएस के पोस्ट पोल सर्वे की मानें तो पिछले चुनाव में बीजेपी को 35 फीसदी तो कांग्रेस को 20 फीसदी महिलाओं ने वोट किया था। इससे एक बात साफ है कि बीजेपी की जीत में महिला वोटरों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मोदी सरकार ने 2024 के लोकसभा चुनाव में महिला समर्थन का दायरा बढ़ाने के लिए वर्षों से अधर में लटके महिला आरक्षण बिल को अमलीजामा पहनाने का काम किया। मोदी सरकार ने यह कदम 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उठाया है। पीएम मोदी ने देश के अलग-अलग राज्यों में नारी शक्ति बंधन कार्यक्रम करके महिलाओं को साधने की कवायद की थी। देश में पांच साल पहले 43।8 करोड़ महिला मतदाताएं थीं, जो अब बढ़कर 47.1 करोड़ से ज्यादा हो गई हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, 2024 के चुनाव में कुल 96.8 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 49.7 करोड़ पुरुष और 47.1 करोड़ महिला मतदाता हैं। 2019 के चुनाव की तुलना में करीब तीन करोड़ पुरुष मतदाता बढ़े हैं, तो महिला मतदाताओं की संख्या करीब चार करोड़ बढ़ी है।

शत प्रतिशत मतदान करके देश के लोकतंत्र को मजबूत करें: युद्धवीर

संवाददाता

सुलतानपुर, 14 मई (नवसत्ता)। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश महामंत्री रवींद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में गोसाईगंज, बरौसा, बगिया चौराहा तथा बिरसिंहपुर उद्यमी एवं व्यापारियों की बैठक आयोजित हुई जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रांत प्रचारक व उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र सेवा प्रमुख युद्धवीर ने कहा कि सेवा एक भाव है जो अन्तरात्मा से प्रकट होकर दूसरों के कष्टों का निवारण करता है। यह कहा भी गया है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधमाई अर्थात् सेवा में धर्म का भाव निहित हैं। युद्धवीर सिंह ने कहा कि इस समय लोकतंत्र का महापर्व चल रहा है आप सभी भी मतदान के रूप में अपनी आहुति डालें तथा अधिक से अधिक संख्या में मतदान स्थल पर पहुंचकर मतदान करें जो मतदान स्थल तक नहीं पहुंच सकते हैं उनकी मतदान स्थल पहुंचने में मदद करें यह भी सेवा का एक बड़ा कार्य है। इस लिए सभी को 25 मई अपना अपना मतदान करना है तथा कराना भी है। युद्ध बीर जी ने आगे कहा कि हम मतदान करने जायेंगे तभी अपने मन का सांसद चुन पाएंगे। मतदान करना हमारा कर्तव्य भी है व अधिकार भी इस लिए हमें ध्यान रहे हम अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। उक्त बैठकों को संबोधित करते हुए भारतीय उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश मंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि व्यापारी हमेशा सेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है हम भामाशाह के वंशजों का यह कर्तव्य है कि लोकतंत्र के महायज्ञ में मतदान के रूप में जो आहुति डालने में असमर्थ हो उन्हें मतदान स्थल तक ले जाकर मतदान कराएं श्री त्रिपाठी ने कहा कि मतदान करते समय है जरूर सोचें कि हमारा देश अखंड भारत किसके हाथों में सुरक्षित रहेगा हम उद्यमियों को इसके पहले कितनी बिजली मिल रही थी आज कितनी बिजली मिल रही है हमें अब गैस सिलेंडर के लिए लाठी नहीं खानी पड़ती लाइन नहीं लगानी पड़ती है गैस सिलेंडर हमारे घर पर आता है व्यापारियों को विशेष रूप सोचना पड़ेगा कि हमारी रक्षा सुरक्षा कौन कर सकता है। बैठक में भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के जिला प्रभारी रमेश अग्रहरि गोसाईगंज अध्यक्ष सत्य प्रकाश मोदनवाल महामंत्री दिलीप कसौधन भरोसा बाजार अध्यक्ष उदय प्रताप शुक्ला महामंत्री सत्यम शुक्ला, विरसिंह बाजार अध्यक्ष जगन्थाथ कनौजिया, सुरेश, रमेश आशीष शान्ति स्वरूप शर्मा, अवधेश सिंह आदि उस्थित रहे।

सामान्य प्रेक्षक ने नामाकंन कक्ष व निर्वाचन कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

संवाददाता

मिर्जापुर, 14 मई (नवसत्ता)। लोकसभा सामान्य निवार्चन-2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी व सकुशल सम्पन्न कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग से 79-मिर्जापुर संसदीय क्षेत्र के लिये नियुक्त प्रेक्षक एम0 वल्ललार ने मंगलवार को जिले में पहुंच कर नामांकन कक्ष तथा जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन से मिलकर नामाकंन प्रक्रिया को देखा व जानकारी ली। तत्पश्चात प्रेक्षक ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित निर्वाचन कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सी.-विजिल सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों व उसके निस्तारण के बारे में जानकारी ली तथा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को आदर्श आचार संहिता के पालन के साथ ही ससमय शिकायतों का निस्तारण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के समय मुख्य राजस्व अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर सिंह उपस्थित रहे। प्रेक्षक के लाइजनिंग आफिसर/जिला उद्यान अधिकारी मेवा राम ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रेक्षक महोदय अष्टभुजा निरीक्षण गृह में ठहरे हुये है। उनका मोबाइल नम्बर-8423179079 है। लोकसभा सामान्य निर्वाचन से सम्बन्धित किसी भी अनियमिता व आदर्श आचार संहित के उल्लंघन की स्थिति में कोई भी जन सामान्य व्यक्ति, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी, राजनैतिक दल के पदाधिकारी/सदस्य उनके मोबाइल नम्बर अथवा पी. एण्ड टी नम्बर पर सम्पर्क कर शिकायत दर्ज करा सकता हैं। उन्होने बताया कि प्रेक्षक महोदय प्रातः 09 बजे से 11 बजे के मध्य अष्टभुजा निरीक्षण ग्रिह में मुलाकात कर चुनाव में निष्पक्षता, पारदर्शिता अथवा आचार संहिता के उल्लंघन व चुनाव से सम्बन्धित अन्य शिकायतें सम्बन्धित शिकायत/सुझाव दर्ज कराये जा सकते हैं।

जीत मिली तो अस्पताल की दशा होगी बेहतर: रमेश बिंद

संवाददाता

मिर्जापुर, 14 मई (नवसत्ता)। कल तक भारतीय जनता पार्टी में रहने के दौरान भदोही के सांसद रमेश बिंद भाजपा सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते नहीं थकते थे किंतु अचानक इस बार उनका टिकट काटकर मझवां क्षेत्र के विधायक डा. विनोद बिंद को दिए जाने से नाराज रमेश बिंद न सिर्फ भाजपा को पानी पी-पीकर कोषते फिर रहे हैं अपितु आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जिले की सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल पर भ्रष्टाचार में संलिप्तता से संबंधित अनेकों आरोप लगा डाले। सांसद प्रत्याशी के रूप में समाजवादी पार्टी से नामांकन के उपरांत पार्टी के स्थानीय लोहिया ट्रस्ट स्थित जिला कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान रमेश बिंद ने कहा कि जानबूझकर बड़े पैमाने पर धन

उगाही के लिए शास्त्री पुल का आवागमन रोक दिए जाते थे। इसके अलावा जिले में जगह-जगह स्थापित टोल प्लाजा पर वसूली करते हुए जनपदवासियों तथा किसानों का लगातार अवशोषण किया जाता रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के 10 साल के कार्यकाल के दौरान करोड़ों रुपए खर्च कर निर्मित कराए गए मंडलीय चिकित्सालय में इलाज कराने हेतु पहुंचे मरीजों को केवल वाराणसी एवं प्रयागराज रेफर किया जाता है। बिंद ने मीडिया के माध्यम से जनपद वासियों से वादा करते हुए कहा कि चुनाव जीतने के बाद उनके द्वारा जनपद मिर्जापुर का नंबर यूपी 63 लिखे वाहनों का टोल टैक्स माफ किया जाएगा, किंतु ऐसा बोलते समय रमेश बिंद यह भूल गए कि देश के संविधान के तहत किसी विशेष जिले को सरकारी कोष से सार्वजनिक लाभ नहीं दिया जा सकता अपितु यह व्यवस्था समूचे देश अथवा प्रदेश के लिए लागू करनी पड़ेगी।

इतना ही नहीं मीडिया कर्मियों द्वारा यह पूछे जाने पर कि भाजपा से ही यदि उन्हें टिकट मिल जाता तो क्या वे सपा के सिंबल पर चुनाव लड़ते, इस बात का जवाब देने की बजाय रमेश बिंद बगलें झांकते नजर आए। प्रेसवार्ता के दौरान सपा के जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया, पूर्व मंत्री मुन्नी यादव, सुरेंद्रसिंह पटेल, पूर्व अध्यक्ष आशीष यादव इत्यादि मौजूद थे।

प्रधानाचार्य संदीप सिंह टॉपर्स सहित अभिभावकों को दी बधाई

संवाददाता

जौनपुर, 14 मई (नवसत्ता)। सीबीएसई बोर्ड का परीक्षाफल शाहगंज के लिए एक बार फिर खुशखबरी लेकर आया है । बीते साल की तरह एक बार फिर सेंट जेवियर्स स्कूल के विद्यार्थी ने जनपद टॉप किया। इस बार हाईस्कूल की छात्रा अंजलि यादव ने 98 प्रतिशत अंक पाकर जनपद टॉप किया है। स्कूल की मेरिट लिस्ट में दूसरा स्थान 94 प्रतिशत अंकों के साथ अभिनव सिंह को मिला है। वहीं, इंटरमीडिएट में मान्या यादव ने 94 प्रतिशत अंक पाकर स्कूप टॉप किया। दूसरे स्थान पर कृष जायसवाल रहे। उन्होंने 92 प्रतिशत अंक हासिल किए। प्रधानाचार्य संदीप सिंह ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता जताई और कहा कि यह विद्यालय परिवार के लिए यह गौरव का क्षण है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की लगन, मेहनत, अभिभावकों के

सहयोग और शिक्षकों की प्रतिबद्धता को दिया।

प्रधानाचार्य ने बताया कि इंटरमीडिएट में गार्गी त्रिपाठी 89 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल में तीसरी, निमिषा आनंद 86 प्रतिशत अंकों के साथ चौथी और आयुषी सिंह 85 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवें नंबर पर रहीं। वहीं, हाईस्कूल में अर्पित ने 94 प्रतिशत पाकर स्कूल में तीसरा अपेक्षा जायसवाल ने 93 प्रतिशत अंक पाकर चौथा और जान्हवी सिंह ने 93 प्रतिशत अंक पाकर पांचवा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के तमाम शिक्षकों और स्टाफ ने सभी सफल छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा हम सबका दायित्व उनके अनुभवों का लाभ ले युवा पीढ़ी

संवाददाता

कन्नौज, 14 मई (नवसत्ता)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव लवली जायसवाल की अध्यक्षता में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं उनके हितार्थ तथा सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं व उपभोक्ता फोरम, उनकी कार्यप्रणाली एवं उपभोक्ताओं के अधिकार के संबंध में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन नगरपालिका सभागार छिबरामऊ में किया गया द्य इस दौरान उन्होंने माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण अधिनियम के प्रावधानों के विषय में विस्तृत चर्चा करते हुये उपस्थित वृद्धजनों को बताया कि उम्र बढ़ने के साथ ही कई तरह की समस्याएं बढ़ जाती हैं जैसे शारीरिक, मानसिक, आय, रोजगार की समस्या तथा निवास की समस्या आदि। वरिष्ठ नागरिकों को संविधान के अंतर्गत सभी मूल अधिकार प्राप्त है, इसके अतिरिक्त संविधान में

अनुच्छेद 37, 41, 46, 47 के अंतर्गत राज्य पर कर्तव्य अधिरोपित किया गया है कि वह वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, रोजगार, आय आदि के संबंध में उपबन्ध करे। इसके तहत माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण के लिए कल्याण अधिनियम 2007 पारित किया गया है, जिसके तहत माता- पिता व वरिष्ठ नागरिक अपने बेटा, बेटी, पोता, पोती से अथवा सम्पत्ति विरासत में प्राप्त करने वाले रिश्तेदार के विरुद्ध भरण पोषण की मांग कर सकते है। इन सभी कानूनी प्रावधानों के बावजूद भी परिवार व बच्चों का प्राथमिक व पुनीत कर्तव्य है कि अपने माता- पिता वृद्धजनों की देखभाल व सेवा करें। माता- पिता निस्वार्थ प्रेम से अपने बच्चों की देखभाल करते हैं, हमे उनके त्याग को नहीं भूलना बाहिए। साथ ही साथ शिविर में उपस्थित वृद्धजनों को यह भी बताया कि यदि किसी प्रकार की कानूनी सहायता की आवश्यकता हो तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे और हवाई टिकट में छूट मिलती है। न्यायालयों में लंबित मुकदमों में वृद्धजनों के मुकदमों को वरीयता के आधार पर सुना जाता है। वरिष्ठ नागरिक समिति के अध्यक्ष भारत सिंह वर्मा एवं नगरपालिका अध्यक्ष मनोज दुबे द्वारा बताया गया कि 2020 सरकार बुजुर्गो के लिये पेंशन योजना चला रही है। इस योजना से वृद्धजनों को बगैर निवेश किये सरकार पेशन के रूप में 1000 रुपये हर महीने देगी एवं परिवार के 60 वर्ष या उसले अधिक आयु वर्ग के सभी सदस्यों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के जिला प्रभारी सत्यराम यादव, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक सुरेश चन्द्र शास्त्री एवं पराविधिक स्वयं सेवक सीमा बानो द्वारा उपभोक्ता फोरम अधिनियम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक उपभोका कोई भी खरीदी पर बिल अवश्य प्राप्त करे साथ ही जिला उपभोक्ता फोरण व राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम में उपभोक्ता किस तरह से शिकायत कर सकते है इसकी जानकारी भी शिविर के दौरान दी गयी और विभाग द्वारा चलाये जा रहे अभियानों के संबंध में से उपभोताओं को जानकारी दी गयी।

रोटरी क्लब विंध्याचल ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

संवाददाता

मिर्जापुर, 14 मई (नवसत्ता)। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रोटरी क्लब विंध्याचल द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली विशाल इंटर कॉलेज से शुरू हुई जो भरुहना चौराहा एवम भरुहना रोड से विभिन्न मार्गो से होते हुए पुनः विशाल इंटर कॉलेज पर समाप्त हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कन्हैया लाल बसंत लाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अशोक सिंह एवम जी. डी. बिनान्नी स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्या डा. बीना सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिसमें सैकड़ों की संख्या में उपस्थित छात्र छात्राओं ने हाथों में मतदाता जागरूकता की तख्ती और बैनर लेकर नगर भ्रमण करते हुए सभी को आगामी लोकसभा चुनाव में 1 जून को मतदान में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन कर रहे संजय सिंह गहरवार

एवम डा. अमित केसरवानी ने रास्ते भर मतदाता जागरूकता संबंधी नारेबाजी कर छात्र छात्राओं एवम स्थानीय नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के उपरान्त अध्यक्ष सुशील झुनझुनवाला ने युवा मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान हमारा संवैधानिक अधिकार है और हमे इसका उपयोग राष्ट्रहित में अवश्य करना चाहिए, जाति धर्म से ऊपर उठकर ऐसे प्रत्याशी का चयन करना चाहिए जो आपके जनपद की समस्याओं को सदन में पेश कर जनपद के विकास का मार्ग प्रशस्त करे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक भगवान दास ने सभी का अभिवादन करते हुए आभार व्यक्त किया।

कारोबार

थोक महंगाई दर 13 महीने के टॉप पर

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। अप्रैल महीने में थोक महंगाई बढ़कर 1.26प्रतिशत हो गई है। यह महंगाई का 13 महीने का उच्चतर स्तर है। इससे पहले मार्च 2023 में थोक महंगाई दर 1.34प्रतिशत थी। खाने-पीने की चीजों की कीमत बढ़ने से महंगाई बड़ी है। वहीं इससे एक महीने पहले मार्च 2024 में ये 0.53प्रतिशत रही थी। वहीं फरवरी में थोक महंगाई 0.20प्रतिशत और जनवरी में 0.27प्रतिशत रही थी। इससे पहले अप्रैल में खुदरा महंगाई (रिटेल इन्फ्लेशन) दर 11 महीने में सबसे कम रही। अप्रैल में यह घटकर 4.83प्रतिशत पर आ गई है। जून 2023 में यह 4.81प्रतिशत थी। हालांकि, अप्रैल में खाने-पीने की चीजें महंगी हुई हैं। नेशनल स्टेटिस्टिकल ऑफिस ने सोमवार 14 मई को ये आंकड़े जारी किए थे। वहीं

एक महीने पहले यानी मार्च 2024 में महंगाई की दर 4.85प्रतिशत रही थी। खाद्य महंगाई दर 8.52प्रतिशत से बढ़कर 8.78प्रतिशत पर पहुंच गई है। ग्रामीण महंगाई दर 5.45प्रतिशत से घटकर 5.43प्रतिशत आ गई और शहरी महंगाई दर 4.14प्रतिशत से घटकर 4.11प्रतिशत पर आ गई है।

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्ल्यूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है।

महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23प्रतिशत होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86प्रतिशत, हाउसिंग की 10.07प्रतिशत और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

उड़ान रद्द होने से अस्पताल में भर्ती पति से नहीं मिल सकी महिला

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। पिछले हफ्ते एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान रद्द होने के कारण एक महिला ओमान के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती अपने पति को मौत से पहले आखिरी बार नहीं देख सकी। उसके परिवार ने यह आरोप लगाया है। अमृता नाम की महिला ने मस्कट में अपने पति से मिलने के लिए आठ मई का टिकट बुक कराया था, लेकिन यहां हवाई अड्डे पहुंचने पर उसे बताया गया कि उड़ान रद्द हो गई है। हवाई अड्डे पर इसका विरोध करने पर उन्हें अगले दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक अन्य उड़ान का टिकट दिया गया, लेकिन दुर्भाग्य से, उसे भी रद्द कर दिया गया और उन्हें अपनी यात्रा की योजना पूरी तरह से छोड़नी पड़ी। सोमवार को ओमान से उनके पति की मौत की खबर उनके पास पहुंची। अमृता की मां ने एक टीवी चैनल को बताया, यह इतना अनुचित था कि वह अपने पति को आखिरी बार नहीं देख सकी। हमने एयरलाइन से किसी और विमान में जगह देने के लिए विनती की ताकि हम उन्हें (अमृता के पति को) आखिरी बार देख सकें।

आईटीआर फाइल करने से आसानी से मिलता है लोन

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। साल 2023-24 के लिए 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें आईटीआर भरने की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है।

अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए, क्योंकि अगर आप आईटीआर फाइल करते हैं तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। आईटीआर फाइल करने से लोन मिलने में आसानी होती है। इसके अलावा ये वीजा के लिए भी जरूरी होता है। हम आपको आईटीआर फाइल करने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं। आईटीआर आपकी इनकम का प्रूफ होता है। इसे सभी बैंक और एनबीएसपी इनकम प्रुफ के तौर पर

स्वीकार करते हैं। अगर आप बैंक लोन के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक कई बार आईटीआर मांगते हैं। अगर आप नियमित तौर पर आईटीआर फाइल करते हैं तो आपको बैंक से आसानी से लोन मिल जाता है। इसके अलावा आप किसी भी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से लोन के अलावा दूसरी सेवाएं भी आसानी से हासिल कर सकते हैं।

अगर आप किसी दूसरे देश में जा रहे हैं तो वीजा के लिए जब आप आवेदन करते हैं तो आपसे इनकम टैक्स रिटर्न मांगा जा सकता है। कई देशों की वीजा अथॉरिटीज वीजा के लिए 3 से 5 साल का आईटीआर मांगते हैं। आईटीआर के जरिए वे चेक करते हैं कि जो आदमी उनके देश में आना चाहता है कि उसका फाइनेंशियल स्टेटस क्या है।

अगर आपकी आमदनी से टैक्स काटकर सरकार के पास जमा करा दिया गया है तो आप आईटीआर फाइल किए बिना उसे वापस नहीं पा सकते भले ही आपकी आमदनी इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आती हो। आपको अगर टैक्स रिफंड क्लेम करना है तो इसके लिए आईटीआर दाखिल करना जरूरी है। आप जब आईटीआर दाखिल करते हैं तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उसका असेस्मेंट करता है। आपका अगर रिफंड बनता है तो वह सीधे बैंक अकाउंट में क्रेडिट कर दिया जाता है। आईटीआर रसीद आपके पंजीकृत पते पर भेजी जाती है, जो एड्रेस प्रुफ के रूप में काम कर सकती है।

गोल्ड खरीदारों के लिए बड़ी राहत 400 रुपए से ज्यादा सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। भले ही विदेशी बाजारों में गोल्ड के दाम में तेजी देखने को मिल रही हो, लेकिन भारत के लोकल मार्केट में सोना 400 रुपए से ज्यादा सस्ता हुआ है। जोकि गोल्ड खरीदारों के लिए काफी राहत भरी खबर है। इस गिरावट के बाद देश के अलग–अलग शहरों में गोल्ड की कीमत 73 हजार रुपए से नीचे आ गई हैं। अगर बात देश की राजधानी दिल्ली की करें तो 22 कैरेट के गोल्ड में 400 रुपए और 24 कैरेट के गोल्ड की कीमत में 410 रुपए की गिरावट देखी गई है। कुछ ऐसा ही हाल चेन्नई, पुणे, मुंबई, केरल, अहमदाबाद में भी देखने को मिला है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में देश के अलग-अलग

शहरों में गोल्ड के दाम कितने हो गए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में गोल्ड की कीमत में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। गुड रिटर्न के आंकड़ों के अनुसार जहां पूरे देश में 24 कैरेट गोल्ड के दाम में औसतन 400 रुपए गिरावट आई है। वहीं दिल्ली में सोना 410 रुपए प्रति दस ग्राम तक सस्ता हुआ है। जिसके बाद दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड के दाम 72,970 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट गोल्ड की कीमत में 400 रुपए की गिरावट देखने को मिली है। जिसके बाद कीमत 66,900 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ चुकी है। बीते दस दिनों में गोल्ड की कीमत में काफी गिरावट देखने को मिल चुकी है।

वहीं दूसरी ओर विदेशी बाजार में गोल्ड की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। अमेरिकी कॉमेक्स मार्केट में गोल्ड फ्यूचर में 5.80 डॉलर प्रति ओंस का इजाफा देखा जा रहा है और दाम 2,348.80 डॉलर प्रति ओंस पर आ गए हैं। गोल्ड स्पॉट के दाम में 6.68 डॉलर प्रति ओंस का इजाफा देखने को मिल रहा है और दाम 2,343 डॉलर प्रति ओंस पर आ गए हैं। ब्रिटिश मार्केट में गोल्ड की कीमत 6.16 पाउंड प्रति ओंस की तेजी के साथ 1,866.44 पाउंड प्रति ओंस पर कारोबार कर रही है।

फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम तक के किंग हैं जुकरबर्ग, इतनी है नेटवर्थ

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 मई (नवसत्ता)। दुनिया के चौथे सबसे अमीर शख्स और मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग आज अपना 40वां जन्मदिन मना रहे है। वो फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम, व्हाट्सअप तक के किंग हैं। फेसबुक को दुनिया में पहचान दिलाने की पटकथा तो उन्होंने कॉलेज टाइम में ही लिख ली थी। जुकरबर्ग का जन्म 14 मई 1984 को अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित डाब्स फेरी में हुआ था। 23 साल की उम्र में दुनिया के सबसे नौजवान अरबपति और सबसे कामयाब सीईओ बन गए। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि एक आइडिया से इतनी कम उम्र में उन्होंने सफलता की ऊचाइयां कैसे हासिल कर ली जुकरबर्ग यूनिवर्सिटी ड्रॉपआउट हैं। कंप्यूटर के प्रति उनकी बचपन से दीवानगी है। मार्क जुकरबर्ग

के पिता डेंटिस्ट थे। 12 साल की उम्र में ही जुकरबर्ग ने जुकनेट नाम का एक कंप्यूटर प्रोग्राम बना डाला। जुकनेट की मदद से जुकरबर्ग के पिता अपने हॉस्पिटल स्टॉफ के साथ कम्यूनिकेट करते थे। मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुक की नींव हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हॉस्टल के कमरे में अपने दोस्तों डीउस्टिन मोस्कोवीटज, एडुआर्जो सवेरिन और क्रिस ह्यूज के साथ मिलकर रखी थी। शुरुआत में इसका नाम रखा गया द फेसबुक डॉट कॉम। 23 वर्ष की उम्र में ही मार्क जुकरबर्ग अरबपति बन गए थे। कंपनी के साथी मार्क जुकरबर्ग के लिए निक नेम का इस्तेमाल करते हैं। साल 2004 में मार्क जुकरबर्ग ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर द फेसबुक नाम की साइट बनाई थी। तब इसमें यूजर्स अकाउंट बनाकर अपनी फोटो अपलोड कर सकते थे। मार्क 2004 में ही कॉलेज छोड़कर अपना पूरा समय फेसबुक को देने लगे थे। मार्क की मेहनत और लगन से ही साल 2004 के खत्म होने तक फेसबुक ने एक मिलियन यूजर्स जोड़ लिए थे। साल 2005 में वेंचर कैपिटल एक्सेल ने फेसबुक में 12।7 मिलियन डॉलर का निवेश किया था। साल 2010 में टाइम मैग्जीन ने मार्क जुकरबर्ग को पर्सन ऑफ द ईयर और फोर्ब्स ने दुनिया के शक्तिशाली लोगों की लिस्ट में शामिल किया था। आज की तारीख में फेसबुक के साथ 2.6 बिलियन से भी ज्यादा यूजर्स जुड़े हुए हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स लिस्ट के अनुसार, उनकी नेटवर्थ 167 बिलियन डॉलर (रू15.57 लाख करोड़ से ज्यादा) है। मेटा फाउंडर ने कई बार टेस्ला के मालिक एलन मस्क को भी संपत्ति के मामले में पीछे छोड़ दिया है। साल 2024 में मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में 58.9 बिलियन डॉलर यानी रू4.90 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। वहीं, इस साल एलन मस्क की नेटवर्थ में 48.4 बिलियन डॉलर यानी रू4.03 लाख करोड़ से ज्यादा की कमी आई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स लिस्ट में टॉप पर बर्नार्ड अरनॉल्ट हैं। उनकी कुल संपत्ति 219 बिलियन डॉलर हैं। वहीं, अमेजन फाउंडर जेफ बेजोस दुनिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान है और उनकी नेटवर्थ 209 बिलियन डॉलर हैं।

एक समय जब फेसबुक अपने कठिन दौर से गुजर रहा था, तब संघर्ष के दौर में मार्क जुकरबर्ग को को जीने की राह भारत से मिली। मार्क भारत के उत्तराखंड में नीम किरोली बाबा के आश्रम आए थे। करीब एक महीने का वक्त आश्रम में बिताने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि लोगों को जोड़ना ही सबसे सुखद काम है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रभाष प्रिन्टर्स, गणेश नगर, रामजी पुरम निकट मदर टेरेसा स्कूल पो0 मलिकमऊ आयमा रायबरेली से मुद्रित कराकर 31 बस्तेपुर रामजी पुरम रायबरेली ,उप्र से प्रकाशित
सम्पादक- धीरज श्रीवास्तव - फोन नं-0535-2700090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2012/46348 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायबरेली न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

आधुनिक हिन्दी के विकास में काशी का महत्वपूर्ण योगदान: कृष्ण कुमार यादव

संवाददाता

वाराणसी, 14 मई (नवसत्ता)। ज्ञान-अध्यात्म-दर्शन की त्रिवेणी के साथ-साथ काशी में साहित्य-कला-संस्कृति की त्रिवेणी भी सदियों से निरंतर प्रवाहमान है। गंगा नदी के तट पर अवस्थित काशी नगरी अपने कण-कण में पौराणिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान की अमृत धारा लिए हुए है। यही कारण है कि इसे भारत की सांस्कृतिक राजधानी भी कहा जाता है। आधुनिक हिन्दी के विकास में काशी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उक्त उद्गार वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने ज्ञान गरिमा सेवा न्यास के तत्वावधान में उपनिधि पत्रिका के काशी विशेषांक के विमोचन अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किये। सरस्वती इण्टरमीडिएट कालेज, सुड़िया, बुला नाला, वाराणसी के प्रांगण में आयोजित समारोह में उपनिधि पत्रिका के काशी विशेषांक का विमोचन वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव, वरिष्ठ लेखिका डा. मुक्ता, विद्याश्री न्यास के अध्यक्ष दयानिधि मिश्रा, वरिष्ठ साहित्यकार डा. राम सुधार सिंह, डा. जय प्रकाश मिश्र, सम्पादक सुबोध कुमार दुबे शारदानंदन द्वारा किया गया। इस अवसर पर काशी से जुड़े साहित्यकारों और कवियों को सम्मानित भी किया गया, वहीं काव्य-सरिता भी बही।

पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि काशी संत कबीर, संत रैदास, संत तुलसीदास से लेकर भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, मुंशी प्रेमचंद की भूमि रही है। काशी की संस्कृति सबको सहेजते हुए सदियों से लोगों की चेतना को स्पंदित करती रही है। धर्म और अध्यात्म नहीं बल्कि साहित्यिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक गतिविधियों का भी सदियों से केंद्र रहा है। उपनिधि के काशी विशेषांक में संकलित सामग्री काशी के अतीत से लेकर वर्तमान में हुए विकास तक की वृहद गाथा का प्रामाणिक दस्तावेज है।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की प्रपौत्री एवं वरिष्ठ साहित्यकार डा. मुक्ता ने बतौर मुख्य अतिथि उपनिधि पत्रिका द्वारा काशी के विभिन्न आयामों को सहेजते हुए विशेषांक निकालने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य के विकास में लघु पत्रिकाओं का योगदान अतुलनीय है। आज का दौर भले ही सोशल मीडिया का हो लेकिन पत्र-पत्रिकाओं का महत्व अपनी जगह स्थायी है। लघु पत्रिकाओं का प्रसार क्षेत्र भले ही सीमित रहा हो लेकिन उनमें साहित्य सेवा की संभावनाएं सदैव से असीमित रही हैं। उसी क्रम में उपनिधि पत्रिका का काशी विशेषांक भी है। काशी अत्यन्त प्राचीन, धार्मिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक धरोहरों से पूर्ण है, ऐसे में यह विशेषांक मील का पत्थर साबित होगा। अध्यक्षीय संबोधन में साहित्य भूषण डा. दयानिधि मिश्र ने कहा कि काशी स्वयंभू है और संसार को जब-जब किसी समस्या विशेष के समाधान की आवश्यकता हुई है तब-तब काशी ने आगे बढ़कर मार्गदर्शन किया है।

अवैध असलहा फैक्ट्री का भण्डाफोड़ एक शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

मिर्जापुर, 14 मई (नवसत्ता)। जिले के पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना चुनार पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के जंगली इलाके में अवैध ढंग से असला बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए एक शातिर अभियुक्त को शास्त्र निर्माण में प्रयुक्त उपकरण व तमंचा सहित गिरफ्तार किया है। उक्त के संबंध में क्षेत्राधिकार चुनार द्वारा विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया है कि मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार को जरिए मुखबिर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गा जी मोड़ जंगल में अवैध तमंचे के निर्माण की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर थाना चुनार पुलिस टीम द्वारा दुर्गाजी मोड़ से सक्तेशगढ़ जाने वाले मार्ग के जंगल में बने एक कमरे से अभियुक्त शनि सोनकर पुत्र मोहन सोनकर निवासी सरैया सिकन्दरपुर थाना चुनार जिला मिर्जापुर को गिरफ्तार किया गया।

विज्ञप्ति केअनुसार मौके से शस्त्र निर्माण के दौरान प्रयुक्त भट्ठी, लोहे की आरी, पेचकस, हथौड़ी, छेनी प्लास, लोहे की छोटी-बड़ी नाल 05 अदद, लोहे की पाइप 02 अदद, स्क्रू 20 अदद, स्प्रिंग 03 अदद, सडसी, लोहे की फूंकनी, लोहे का गुटका व टार्च सहित अन्य सामग्री तथा अभियुक्त शनि के कब्जे से 03 अदद अवैध तमंचा 315 बोर बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चुनार पर मु0अ0सं0-167/2024 धारा-3/5/25(1) आयुध अधिनियम पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय/जेल भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त शनि सोनकर द्वारा बताया गया कि वह अवैध तमंचा का निर्माण, मरम्मत एवं बिक्री का काम करता है। बनाये हुए तमंचों को 07-07 हजार रूपये में बेचकर प्राप्त धन का उपयोग अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं के लिये करता है। पुलिस क्षेत्राधिकारी के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त शनि सोनकर के कब्जे से 03 अदद अवैध तमंचा 315 बोर तथा 1400 रुपए नगद बरामद हुए हैं। अभियुक्त के विरुद्ध चुनार थाने पर मु.अ.सं.-167/2024 धारा 3/5/25(1) अधिनियम दर्द किया गया है।

सीबीएसई बोर्ड के रिज़ल्ट में बंसराजमेमोरियल सनराइज पब्लिक स्कूल का रहा दबदबा

संवाददाता

जौनपुर, 14 मई (नवसत्ता)। शाहगंज क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्यालयों में से एक बंसराज मेमोरियल सनराइज पब्लिक स्कूल मजडीहा शाहगंज का सीबीएसई बोर्ड के रिज़ल्ट में दबदबा रहा विद्यालय का रिज़ल्ट शत प्रतिशत रहा हाईस्कूल में दिव्यांका गुप्ता पुत्री सुजीत गुप्ता ने 93.4प्रतिशत अंक पाकर प्रथम स्थान, शान्या यादव पुत्री वीरेंद्र प्रताप यादव ने 92प्रतिशत अंक द्वितीय स्थान, अमित पुत्र अमीर चन्द्र ने 88प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान, इसी क्रम में राज कुमार 86.04प्रतिशत, प्रवीन मौर्या 85प्रतिशत शाक्षी प्रजापति 84प्रतिशत,जान्हवी प्रजापति 81.02 प्रतिशत, वैष्णवी अग्रहरी 81प्रतिशत, मोहम्मद अहमद 80.04प्रतिशत, शिवा पाण्डेय 80प्रतिशत अमन मौर्या 79.02प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का रोशन किया। अंशिका सोनकर 81.02प्रतिशत, मौसम यादव 80प्रतिशत, आयुष प्रजापति 80प्रतिशत, शाह जोया फतीमा 79प्रतिशत, अक्सा आलम 77 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का रोशन किया। इस तरह इंटरमीडिएट की परीक्षा में आकृति अस्थाना पुत्री मनोज कुमार अस्थाना ने 93.04प्रतिशत अंक पाकर प्रथम स्थान, नैंसी मौर्या पुत्री अनिल मौर्या 91.02प्रतिशत द्वितीय स्थान, सुप्रिया तिवारी पुत्री सुरेंद्र कुमार तिवारी 89प्रतिशत, तृतीय स्थान, रुद्रेश राजवंश 87.02प्रतिशत प्रवीन मौर्या 85प्रतिशत गोपालक 93प्रतिशत, प्राप्त कर स्कूल में अपना परचम लहराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजेश कुमार पाठक ने बच्चो को तिलक लगा कर साथ ही माला पहनाकर उत्साह वर्धन करते हुए मिठाई खिलाई एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और उनके अभिभावक को तिलक लगाकर साथ ही माला पहनाकर मिठाई खिलाते हुए उनका स्वागत करने के साथ ही बधाई दी। इस अवसर पर स्कूल के फाउंडर डॉक्टर ज्ञानचंद्र चित्रवंशी, डायरेक्टर जागृति चित्रवंशी ने बच्चों को बधाई दी और कहा विद्यालय बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कृत संकल्प है और विद्यालय की मैनेजर प्रियंका चित्रवंशी ने सभी बच्चों को उनके बेहतर रिज़ल्ट के लिए बधाई दी और कहा शाहगंज क्षेत्र में विद्यालय अपनी बेहतर शिक्षा गुणवत्ता के लिए कटिबद्ध है और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

आर्टिस्ट चन्द्रपाल राजभर को मिला अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड

संवाददाता

सुलतानपुर, 14 मई (नवसत्ता)। अपनी चित्रकारिता लेखन एवं शिक्षण के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बन चुके चन्द्रपाल पाल राजभर को अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर उनकी रचना मां के ममता की चादर का छाव लिए, मैं चला सारी उम्र वतन के लिए, एक थपकी मिली जब सुकूं की मुझे मैं गगन छू लिया इस वतन के लिए, नामक रचना को अंतर्राष्ट्रीय मदर्स ब्लेस अवार्ड 2024 से अलंकृत किया गया।

चन्द्रपाल राजभर अपनी लेखनी चित्रकारिता एवं शिक्षण के माध्यम से देश समाज के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जन जागरूकता फैलाने का कार्य करते रहते हैं। कार्यक्रम में अतिथि नेपाल देश के उमेश यादव एवं शांति फाउंडेशन गोंडा भारत की अध्यक्षा पिंकी देवी रहीं। चन्द्रपाल राजभर को इस उपलब्धि से क्षेत्र व जनपदवासियों में प्रसन्नता व्याप्त है।

आरक्षित टिकटों के अवैध कारोबार की रोकथाम

संवाददाता

गोरखपुर, 14 मई (नवसत्ता)। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा एवं अवैध सामानों की धर-पकड़, आरक्षित टिकटों के अवैध कारोबार की रोकथाम सहित यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने का निरन्तर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 13 मई, 2024 को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, लखनऊ से प्राप्त सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल, बुढ़वल द्वारा गाड़ी संख्या-05220 में यात्रा कर रही महिला यात्री को प्रसव पीड़ा होने की सूचना पर महिला यात्री को उपचार हेतु एंबुलेंस के माध्यम से जिला महिला चिकित्सालय, बाराबंकी भेजा गया। 13 मई, 2024 को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, लखनऊ से प्राप्त सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल, गोरखपुर को गाड़ी संख्या-15707 में 16 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 13 मई, 2024 को रेलवे सुरक्षा बल एवं अपराध आसूचना शाखा, छपरा द्वारा संयुक्त रूप से निगरानी के दौरान गाड़ी संख्या-13106 में यात्रियों से चोरी किये हुए दो मोबाइल के साथ दो व्यक्तियों को धारदार चाकू एवं ब्लेड के साथ गिरफ्तार किया गया। 13 मई, 2024 को रेलवे सुरक्षा बल, टनकपुर द्वारा प्लेटफार्म संख्या-02 से यात्री का छूटा एक मोबाइल बरामद किया गया। यात्री के उपस्थित होने पर मोबाइल को उसे सुपुर्द किया गया। 12 मई, 2024 को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, लखनऊ से प्राप्त सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल, ऐशबाग द्वारा गाड़ी संख्या-02563 से यात्री का छूटा एक बैग बरामद किया गया। यात्री के उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया।

137 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाई

गोरखपुर, 14 मई (नवसत्ता)। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं अन्य प्रमुख नगरों के लिये 137 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें 971 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 103 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमख नगरों के लिये 606 फेरों में चलाई जा रही हैं अर्थात पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर कुल 240 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें 1,577 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन विशेष ट्रेनों के माध्यम से यात्रा सुगम हो रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

तेज रफ्तार मतदान से सियासतदानों की भृकुटि तनी

संवाददाता

कन्नौज, 14 मई (नवसत्ता)। जैसी उम्मीद थी हुआ भी बिल्कुल वैसा ही। चुनाव के दौरान बढ़े ग्राफ के अचानक ठिठक जाने से सियासतदानों के माथों की लकीरें आड़ी-तिरछी होने लगीं। शुरू के छह घंटे तक तेज हुई वोटिंग की रफ्तार के अलग ही मायने निकाले जाने लगे। एक बार तो लगने लगा था कि मतदान प्रतिशत 65 का आंकड़ा छुएगा लेकिन ब्रेक का हल्का असर हुआ और यह आंकड़ा 61 पर ठिठक गया। इस बीच सपा और भाजपा से जुड़े लोगों के बीच बढ़ते टकराव की खबरों के बीच आखिरकार अखिलेश यादव को भी सैफई से यहां आना पड़ा।

इसके भी अलग ही मायने लगाए जा रहे हैं। चौथे चरण के चुनाव के दौरान देश भर की निगाहें कन्नौज पर लगी रहीं। सपा मुखिया के ताल ठोकने से यहां का सियासी दंगल सुर्खियों में आ गया। नतीजा यह कि नामांकन से लेकर चुनाव प्रचार तक यहां की सियासी गतिविधियां सुर्खियों में रहीं। ऐसे में कल हुए मतदान के दौरान भी यहां से जुड़ी पल-पल की जानकारी के लिए जानकारों के फोन की घंटियां घनघनाती रहीं। यहां की सियासी तपिश का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पांचवें चरण के चुनाव प्रचार की तैयारी कर रहे अखिलेश यादव पहले तो सैफई में बैठकर ही यहां नजर जमाए रहे किन्तु कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक ने उन्हें आखिरकार सैफई छोड़कर कन्नौज आने पर मजबूर कर दिया। न सिर्फ वह यहां आए बल्कि चार से पांच घंटे के दौरान कई जगह का जायजा भी लिया।

उनका पूरा फोकस छिबरामऊ विधानसभा क्षेत्र पर रहा। तिर्वा के कुछ इलाकों के बूथ पर भी वे पहुंचे। उनके आने से बाद सपा कार्यकर्ताओं के मनोबल में इजाफा हुआ। मुखिया को अपने बीच पाकर वे उत्साह से वोटर को बूथ पर पहुंचाने में जुट गए।

पिछले चुनाव में हुई कड़ी टक्कर के बाद मामूली अंतर से हुई हार के बाद भाजपा के हाथों अपने गढ़ को फिर से हासिल करने की छटपटाहट सपा कार्यकर्ताओं में दिखी। अखिलेश यादव भी चूंकि अपने गढ़ पर फिर से सपा का झंडा लहराने के लिए ही मैदान में उतरे हैं तो वह भी चुनाव को हल्के में नहीं लेते दिखे। यही वजह रही कि वह कार्यकर्ताओं के भरोसे मतदान की जिम्मेदारी छोड़ चुके अखिलेश खुद मैदान में उतरने से नहीं रोक सके। उनके यहां आने को उनके बड़े कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

पिछले चुनाव में सपा की बादशाहत को खत्म कर सांसद बने सुब्रत पाठक अपनी कामयाबी को दोहराने के लिए पूरी ताकत से मैदान में डटे रहे। पूरे चुनाव के दौरान सपा और अखिलेश यादव पर पूरी तरह आक्रामक रहे सुब्रत पाठक चुनाव वाले दिन भी मैदान में डटे रहे। सुब्रह अपना वोट डालकर वह क्षेत्र भ्रमण पर निकल गए। कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेते रहे। जहां से कोई कमी या गड़बड़ी की शिकायत मिलती, उसकी शिकायत करने से नहीं चूकते। बाकायदा अपने लेटर हेड पर शिकायत लिखकर एक्स हैंडल पर पोस्ट कर निर्वाचन आयोग को आगाह करते रहे। उनके जुझारूपन की भी काफी चर्चा रही। आश्चर्यजनक रूप से स्वयम सुब्रत ने 43 शिकायते दर्ज करायीं। एक बार तो पुलिस पर ही आरोप लगा दिया तो एसपी को बाकायदा एक्स पर इस आरोप का खंडन जारी करना पड़ा। सुब्रत कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा पकड़ लिए जाने के विरोध में उबल पड़े और बाकायदा शहर कोतवाल को हर तरह की जांच कराने और खुला बदला लेने की धमकी देते देखे गए। यह आरोप लगाकर तो वे खुद ही अजीबोगरीब स्थिति में आ गए कि कन्नौज में सपा ने कई पोलिंग डंप कर ली है। लोगो ने चुटकी ली कि डबल इंजन की सरकार में विपक्षी प्रत्याशी कैसे डंपिंग कर सकता है। कन्नौज पहुंचे अखिलेश यादव एक संक्षित मुलाकात में बोले जनता खुद निकल पड़ी वोट डालने।

कहा मैं नहीं चाहता था आना, लेकिन बीजेपी के लोग घूम रहे जगह-जगह तो मैं भी आया। अखिलेश ने कहा कि बेईमानों से देश को बचाने को जमकर करें मतदान। अखिलेश ने कहा कि जनता की नाराजगी बढ़ती जा रही है। अभी तो चौथा चरण है अभी और बढ़ेगी नाराजगी।